प्रेम विस्तार है, स्वार्थ संकुचन है। इसलिए प्रेम जीवन का सिद्धांत है। वह जो प्रेम करता है जीता है, वह जो स्वार्थी है मर रहा है। इसलिए प्रेम के लिए प्रेम करो, योंकि जीने का यही एक मात्र सिद्धांत है, वैसे ही जैसे कि तुम जीने के लिए सांस लेते हो।

स्वामी विवेकानंद

MPHIN/2009/34626
डाक पंजीयन क्रमांक
बालाघाट /दैनिक यशोन्नति / 2 /
2016-17

यशोन्नति

दैनिक यशोन्नति की और खबरों एवं ई पेपर के लिये लॉंग इन करें https://dainikyashonnati.com

एप डाउनलोड करें

वर्ष 8+15 अंक 109 | प्रधान संपादक- राजेश अग्रवाल | yasonati@gmail.com | सिवनी शुक्रवार 18 अगस्त 2023 | संपादक-मनोज मर्दन त्रिवेदी | मूल्य 1.50 पृष्ठ-4

पृष्ठ-2 सिवनी समाचार .....
पृष्ठ-3 बालाघाट समाचार
पृष्ठ-4 मंडला समाचार .....

1990 से 2018 तक के चुनावी आंकडे, कांग्रेस लगातार रही कमजोर

1990 में भाजपा के प्रत्याशी डॉं. ढालसिंह बिसेन को 36711 मत मिले जो कुल मतदान का 56 प्रतिशत था जबकि कांग्रेस प्रत्याशी श्रीमती प्रभा भार्गव को 10959 मत प्राप्त हुये थे जो कुल मतदान का 17 प्रतिशत था। इस प्रकार कांग्रेस को भाजपा से 39 प्रतिशत मत कम प्राप्त हुये थे । । वर्ष 1993 में हुये निर्वाचन में भाजपा के प्रत्याशी डॉं ढालसिंह बिसेन को 41890 मत प्राप्त हुये जो कुल मतदान का 53 प्रतिशत था और कांग्रेस के प्रत्याशी पं. महेश प्रसाद मिश्रा को 29898 मत प्राप्त हुये जो कुल मतदान का 38 प्रतिशत था जो भाजपा को मिले मतो से 15 प्रतिशत कम था । वर्ष 1998 के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी डॉं. ढालसिंह बिसेन को 40033 मत प्राप्त हुये जो कुल मतदान का 45 प्रतिशत था जबकि कांग्रेस के प्रत्याशी रहे महानंद रांहगडाले को 29485 मत प्राप्त हुये जो कुल मतदान का 33 प्रतिशत था । इस चुनाव में भी कांग्रेस को 12 प्रतिशत मत कम प्राप्त हुये थे । वर्ष 2003 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के प्रत्याशी डॉं डालसिंह बिसेन 46782 मत प्राप्त हुये जो कुल मतदान का 45 प्रतिशत था और कांग्रेस के प्रत्याशी भोयाराम चौधरी को 33421 मत प्राप्त हुये जो कुल मतदान का 32 प्रतिशत था अर्थात यहाँ भी कांग्रेस को 13 प्रतिशत कम प्राप्त हुये ।

वर्ष 2008 में बरघाट विधानसभा परिसीमन के कारण आरक्षित हो गयी और 2008 के चुनाव में कमल मर्सकोले बरघाट विधानसभा से भाजपा के प्रत्याशी बनाये गये और इन्हें 61753 मत प्राप्त हुये जो कुल मतदान का 45 प्रतिशत था वहीं कांग्रेस के प्रत्याशी तीरथ बट्टी को कुल 34 प्रतिशत मत प्राप्त हुये जो भाजपा से 11 प्रतिशत कम था । वर्ष 2013 के विधानसभा चुनाव में भाजपा से पुन कमल मर्सकोले प्रत्याशी बनाये गये जिन्हें कुल मत 77122 प्राप्त हुये जो कुल मतदान के 47 प्रतिशत था और कांग्रेस के प्रत्याशी अर्जुन काकोड़िया को 76853 मत प्राप्त हुये जो कुल मतदान का लगभग 47 प्रतिशत था बरघाट विधानसभा में इस चुनाव में महज 259 मतो का अंतर रहा ओर भाजपा के कमल मर्सकोले जीत दर्ज करने में सफल रहे ।

वर्ष 2018 में हुये विधानसभा चुनाव में परिस्थितियाँ बदली और भाजपा ने अपने घोषित प्रत्याशी कमल मर्सकोले को नामांकन के अंतिम क्षणों में बदल दिया और नरेश बरकड़े को प्रत्याशी बनाया भाजपा कार्यकर्त्ताओं के असंतोष और गहमागहमी को नरेश बरकड़े संभालने में सफल नहीं हो पाये और कांग्रेस के प्रत्याशी अर्जुन काकोड़िया से चुनाव हर गये । इस चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी अर्जुन काकोड़िया को 90053 मत प्राप्त हुये जो कुल मतदान का 48 प्रतिशत था और भाजपा के नरेश बरकड़े को 82526 मत प्राप्त हुये जो कुल मतदान का 44 प्रतिशत रहा ।

विधानसभा चुनाव की पहली सूची भाजपा ने की जारी

बरघाट से कमल मर्सकोले सहित 39 उ मीदवार

सिवनी यशो:- भारतीय जनता पार्टी ने गुरूवार को विधानसभा चुनाव के तीन माह पूर्व प्रत्याशियों की आश्चर्यजनक तरीके से घोषणा कर राजनैतिक क्षेत्र में हलचल पैदा कर दी है । भाजपा की इस घोषणा से विरोधियों को आश्चर्य तो ही रहा है भाजपा के लोगो भी इस प्रकार की घोषणा को सहजता से स्वीकार नहीं कर पा रहे है । भाजपा ने विधानसभा चुनाव के लिये 39 प्रत्याशियों की अधिकृत घोषणा करते हुये पहली सूची राष्ट्रीय महासचिव अरूण सिंह के हस्ताक्षर जारी कर दी है इस प्रकार तीन माह पूर्व प्रत्याशी घोषित किया जाना भाजपा के लिये यह पहला प्रयोग है ।

भाजपा की पहली सूची में मालवा निमाड़ की सबसे अधिक सीटे है और दूसरे नंबर पर महाकौशल की सीटे है । यहाँ बता दें कि पिछले चुनाव में भाजपा को सबसे अधिक नुकसान मालवा निमाड़ एवं महाकौशल में ही हुआ था ।

जारी सूची में सिवनी जिले की बरघाट विधानसभा से कमल मर्सकोले की उ मीदवारी को पक्का कर दिया गया है । पिछले विधानसभा चुनाव में कमल मर्सकोले को प्रत्याशी घोषित करने के बाद बी फार्म देते समय नाम परिवर्तन कर दिया गया था और बरघाट विधानसभा हार गयी थी । यहाँ 1990 से भाजपा को लगातार छै बार जीत मिलते रही है 2018 में कांग्रेस के अर्जुन काकोड़िया को जीत मिल गयी थी ।

मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी पांचवी बार अपनी सरकार बनाने के लिये पूरी ताकत लगा रही है और इस बार सीधे तौर पर केन्द्रीय नेतृत्व ने मध्यप्रदेश की कमान भी अपने हाथ में ले ली है । पिछले कुछ समय से लगातार मध्यप्रदेश के दौरा कर रहे केन्द्रीय मंत्री पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने मध्यप्रदेश में हर हाल में जीत सुनिश्चित करने की मानसिकता से जुटे हुये है । मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा पूरी तरह तैयार है यह संकेत प्रदेश की जनता और विरोधियों को देने की मंशा से भाजपा ने गुरुवार को 39 सीटों पर अपने उ मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी । जबकि कांग्रेस पिछले एक वर्ष से यह कहते रही है कि वह अपने उ मीदवारों की सूची छै माह पूर्व जारी कर देगी फिर कहा गया कि जून में 100 उ मीदवारों की सूची जारी कर दी जायेगी परंतु कांग्रेस अभी तक उ मीदवारों की सूची जारी नहीं कर पर पायी परंतु भाजपा ने अपनी पहली सूची जारी कर कांग्रेस को यह बताने की कोशिश की है कि भाजपा इस मामले में भी उससे आगे है ।

बुधवार को हुई थी बैठक

यहाँ बता दें कि बुधवार को दिल्ली में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा की अध्यक्षता में बैठक हुई थी। इसमें प्रदेश के मु यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित कई नेताओं ने शिरकत की थी। आपसी सहमति के बाद समिति ने प्रदेश में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों के लिए नामों की सूची जारी की है। हालांकि भाजपा ने इतने पहले सूची जारी कर सभी को चौंकाया है। ऐसा प्रयोग पहली बार हो रहा है। जारी सूची में मालवा-निमाड़ इलाके की 11 सीटों पर नाम जारी किए गए हैं। बता दें कि इस बार मालवा-निमाड़ पर दोनो ही प्रमुख पार्टियों का फोकस ज्यादा है। मालवा निमाड़ की सोनकच्छ, महेश्वर, कसरावद, अलीराजपुर, झाबुआ, पेटलावद, कुक्षी, धरमपुरी, राऊ, तराना, घटिया विधानसभा सीटों के लिए नाम जारी किए गए हैं। वहीं एमपी की पहली सूची में चार महिलाओं के नाम शामिल हैं। सबलगढ़, छतरपुर, चाचौड़ा और पेटलावद में महिला को उ मीदवार बनाया है।

अमित शाह की रहेगी मु य भूमिका

मध्य प्रदेश में भाजपा ने चुनाव के लगभग तीन माह पहले 39 सीटों पर उ मीदवार तय करने का प्रयोग किया है। जल्दी उ मीदवार तय करने की रणनीति और उसके क्रियान्वयन के पीछे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जा रही है। दो माह से मध्य प्रदेश में लगातार हुए उनके दौर के समय उ मीदवारों के नामों सहमति भी बन रही थी। भाजपा ने उ मीदवारों के चयन का मापदंड मैदानी स्तर पर वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा लिया गया फीडबैक, सर्वे और पिछले चुनाव में कम वोटों से हार के समीकरण को बनाया है।

अचानक उ मीदवार बदलना भाजपा के लिये रहा घाटे का सौदा

बरघाट विधानसभा में भाजपा की 2018 में हार के अनेक कारण है जिसमें सबसे अधिक प्रभावी कारण रहा है इस क्षेत्र के विधायक रहे कमल मर्सकोले की उ मीदवारी की घोषणा होने और नामांकन जमा करने के बाद अचानक अंतिम क्षणों में उनकी टिकिट काट कर भाजपा में नये आये व्यक्ति नरेश बरकड़े को भाजपा का उ मीदवार बनाने से भाजपा में भारी नारजगी रही और उसके कारण भाजपा के जल्दबाजी में घोषित हुये प्रत्याशी नरेश बरकड़े चुनाव हार गये । उन्हें भाजपा के कार्यकर्त्ताओं, नेताओं और आम मतदाताओं की नाराजगी दूर करने का समय ही नहीं मिल पाया । वहीं भाजपा के कार्यकर्त्ताओं में कमल मर्सकोले भाजपा की पहली पंसद थे और अंत तक कमल मर्सकोले की टिकिट कटने की नाराजगी बनी रही । इसके साथ ही कांग्रेस के प्रत्याशी अर्जुन सिंह काकोड़िया 2013 का चुनाव बहुत कम मतो से हारे थे और वे पूरे पांच साल तक जनता के विभिन्न मुद्दों के लिये आवाज उठाते रहे और चुनाव के समय उनके पास एक बढ़िया टीम थी जबकि नरेश बरकड़े अचानक प्रत्याशी बनाये गये थे जिनके पास कांग्रेसी मित्रों की टीम थी परंतु उनका संपर्क और समन्वय भाजपा के कार्यकर्त्ताओं से नहीं हो पा रहा था । इस प्रकार अनेक ऐसे कारण रहे जिससे भाजपा के हाथ से बरघाट विधानसभा दूर हो गयी ।

कमल मर्सकोले की उ मीदवारी से बरघाट में हर्ष

बरघाट यशो:-भारतीय जनता पार्टी के केन्द्रीय नेतृत्व द्वारा विधानसभा चुनाव के तीन माह पूर्व विधानसभा से कमल मर्सकोले को प्रत्याशी घोषित किये जाने से भाजपा कार्यकर्त्ताओं और आमजनों में खुशी की लहर दौड़ गयी है । कमल मर्सकोले बरघाट विधानसभा से बेहद लोकप्रिय

विधायक रह चुके है परंतु पिछली बार जनभावनाओं के विपरीत जाकर भाजपा ने यहाँ से उनकी टिकिट काट दी थी जिससे नाराज मतदाताओं ने भाजपा को हरा दिया था परंतु 2023 के विधानसभा चुनाव में पुनः कमल मर्सकोले को प्रत्याशी बनाये जाने से बरघाट क्षेत्र में खुशी का वातावरण बन गया है ।

कमल मर्सकोले की घोषणा होते ही बरघाट मु यालय सहित कुरई, गंगेरूआ, धारना सुकतरा मोहगांव खवासा आदि स्थानों से लेकर जगह जगह कार्यकर्त्ताओं ने मिठाई वितरित कर एक दूसरे को बधाई दी तथा कमल मर्सकोले को शुभकामनाएँ दी । प्रत्याशी घोषित होने के पश्चात कमल मर्सकोले बरघाट पहुँचे और कार्यकर्त्ताओं से चर्चा कर केन्द्रीय नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुये कहा कि आप सभी का प्यार ही मेरी दौलत है ।

10 वर्ष पुराने आधार कार्ड को कराना होगा अपडेट

सिवनी यशो:- जिले के रहवासी, जिनके आधार सृजित हुए 10 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं, ऐसे आधार कार्ड धारकों को उनके व्यक्तिगत नवीनतम विवरण को आधार के डाटा में अपडेट करवाये जाने हैं, इस स बन्ध में आधार धारकों को यह सुविधा प्रदान करने के लिए यूआईडीएआई ने %अपडेट डॉ यूमेंट% की एक नई सुविधा विकसित की है। इस सुविधा को नागरिक आधार पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन ऐ सेस कर डॉ यूमेंट अपडेट कर सकते है। यह नई सुविधा आधार में व्यक्तिगत पहचान के प्रमाण (POI) और पते के प्रमाण (POA) दस्तावेजो को अद्यतन करने की अनुमति प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त रहवासी आधार सेंटर पर जाकर भी डॉ यूमेंट अपडेट करा सकते हैं, जिसका शुल्क 50 रूपये ` योस्क संचालक को देय होगा। साथ ही आधार केन्द्रों के सुपरवाइजर को उक्त कार्य प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए गए हैं।

विधायक दिनेश राय मुनमुन द्वारा ग्राम करकोटी में आयोजित नेत्र शिविर हुआ संपन्न

जांच उपरांत 50 मरीजों का मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयन किया

सिवनी यशो:- दिनांक 17/08/2023 को सिवनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिनेश राय मुनमुन जी द्वारा ग्राम करकोटी मे आयोजित निशुल्क नेत्र शिविर संपन्न हुआ। सांई नेत्रा आई केयर संस्थान सिवनी एवं सक्षम भारत संस्था दादा वीरेंद्र पुरी आई हास्पिटल जबलपुर के माध्यम से विधायक दिनेश राय मुनमुन द्वारा विधानसभा क्षेत्र सिवनी के अंतर्गत विभिन्न पंचायतों में नेत्र रोगियों के उपचार हेतु आयोजित निशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर के अंतर्गत ग्राम करकोटी में शिविर प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक ग्राम पंचायत भवन में आयोजित किया गया। जिसमे शिविर का शुभारंभ सरपंच भारतलाल चौधरी जी के शुभहस्ते एवं स मानीय जनों की गरिमामय उपस्थिति में मां सरस्वती जी पूजन व छायाचित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इसके बाद शिविर

में नेत्र विशेषज्ञ डा. योगेन्द्र पटेल द्वारा 157 नेत्र रोगियों की जांच उपरांत 50 मरीजों का मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयन किया गया। इस दौरान बडी सं या मे ग्राम के लोगों ने शिविर का लाभ लेते हुए नेत्र जांच करवाया। इस अवसर पर रामजी चंद्रवंशी भाजपा मंडल अध्यक्ष करकोटी, बसंत कटरे भाजपा मंडल महामंत्री, शेरसिंह उईके जिला मंत्री भाजयुमो, पवन राहंगडाले विधायक प्रतिनिधि, निरपत परते , वीरसिंह परते सतीश दुबे विधायक प्रतिनिधि, नरेश गिरी गोस्वामी विधायक प्रतिनिधि, राधेश्याम अनकर, दुलीचंद ठाकुर , टेकचंद कटरे , शंकरलाल बिसेन, सतीश कटरे, खरकसिंह अनकर, दिलीप कटरे, खीरसिंह बिसेन, द्रोपसिंह मर्सकोले , किरण ठाकुर , सुरमनबाई ठाकुर, ललिता भैरम, नूरसिंह मर्सकोले, पूरनलाल इनवाती, तोपसिंह कटरे, इतराम बिसेन, शिवप्रसाद बोरकर, पीतम पारधी सचिव, सुरेन्द्र पटेल रोजगार सहायक, नमन साहू, मनोज उईके कोटवार सहित अनेक गणमान्य जन व नेत्र रोगियों की गरिमामय उपस्थिति रही।

बम भोले कावड़ यात्रा, 21अगस्त को मुंडारा से दिघौरी

सिवनी यशो:- मां बैनगंगा के उद्गम स्थल मुंडारा से 21 अगस्त सोमवार प्रातः 8:30 बजे मुंडारा से दिघौरी तक मोटर सायकल से निकाली जाएगी पवित्र बम-बम भोले कांवड यात्रा शिव भजनो की सुमधुर धुन के साथ श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर बस स्टैंड सिवनी की नेतृत्व में निकाली जाएगी जिसमें समिति के सभी सदस्य एवं शिव भक्त शामिल होंगे।

देवाधि देव महादेव भगवान भोलेनाथ के प्रिय श्रावण मास मे ब्रह्मलीन द्विपीठाधीश्वर स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज के आशीर्वाद से प्रतिवर्ष निकाली जाने वाली बम बम भोले कावड़ यात्रा इस वर्ष भी मोटर सायकल वाहनों से प्रातः 8:30 बजे मां बैनगंगा के उद्गम स्थल मुंडारा से कलशों में पवित्र जल भरकर बम-बम भोले के जय उद्घोष के साथ निकाली जाएगी। श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर समिति के सभी सदस्यों के द्वारा उदगम स्थल मुंडारा मे विधि विधान वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मां बैनगंगा

की आरती व पूजनपाठ किया गया जाएगा, तदोपरांत डी जे की सुमधुर धुन मे शिव भजनो के साथ बम-बम बोले कांवण यात्रा आरंभ होकर बड्कुमारी, गोपालगंज मार्ग से होते हुए मात्तृधाम पहुंचेगी। जहां पर सभी श्रद्धालुगणों द्वारा विराजित मां त्रिपुर सुंदरी का दर्शन, पूजन कर तत्पश्चात यात्रा कातलबोडी से मुंगवानी होते हुए पितृधाम दिघौरी पहुंची। बाबा भोलेनाथ के विश्व प्रसिद्ध पारदर्शी स्फटिक शिवलिंग पर श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर समिति के अध्यक्ष व सभी सदस्यों व श्रद्धालुगणों के द्वारा पवित्र मां बैनगंगा के जल से जलाभिषेक कर प्रसाद वितरण किया जाएगा। श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर समिति की ओर से आप सभी शिव भक्तों से विनम्र अपील की जाती है कि आप अधिक से अधिक सं या में पहुंचकर कावड़ यात्रा को सफल बनाएं।

कौमी एकता कमेटी ने किया छात्र-छात्राओं का स मान

सिवनी यशो:- स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 15 अगस्त को कौमी एकता कमेटी के द्वारा जिले की कक्षा 10 वीं व 12 वीं की प्रवीण सूची में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं का स मान किया गया।

जिला मु यालय के बुधवारी तालाब घाट में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी प्रात॰ 8.10 बजे कमेटी के संरक्षक हाजी परवेज अंसारी (गोल्डी) के द्वारा ध्वजारोहण किया गया। झंडा वंदन कार्यक्रम के पश्चात दरबार ग्रुप द्वारा देश भक्ति गीतों का कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम के पश्चात कौमी एकता कमेटी के द्वारा की गई घोषणा के अनुसार 10 वीं व 12 वीं की परीक्षा में जिले की प्रवीण सूची में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले उपस्थित छात्र-छात्राओं को स मान पत्र एवं उपहार देकर स मानित किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं के साथ आये पालकों का भी स मान किया गया।

सहकारी समिति कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल पर प्रदर्शन जारी

समितियों में लटके ताले

सिवनी यशो:- मध्यप्रदेश सहकारी समिति महासंघ द्वारा प्रदेश स्तरीय अपनी एक सूत्रीय मांगों के निराकरण को लेकर मध्य प्रदेश सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर मध्य प्रदेश सहकारी समिति के कर्मचारी विगत 02 दिनों से निरंतर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे हैं। इस दौरान जिले की सभी सहकारी सोसायटी और राशन दुकानें बंद है। जिसके कारण न तो राशन वितरण कार्य हो रहा है और न ही राशन वितरण कार्य। बीते गुरुवार को मध्य प्रदेश सहकारी समिति कर्मचारी संघ की हड़ताल का दूसरा दिन था। जहां

सहकारी समितियों, विपणन समितियों, स्व सहायता समूह, उपभोक्ता राशन दुकान विक्रेताओं के सैकड़ो की तादाद में कर्मचारियों ने एकजुटता का परिचय देते हुए जबलपुर रोड स्थित अ बेडकर चौक धरना स्थल पर शासन प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।मध्य प्रदेश सहकारी समिति के कर्मचारियों द्वारा धरना स्थल पर नारे लगाए गए कि अगर हमारी बात नहीं मानी तो नहीं बंटेगा राशन पानी। मध्य प्रदेश सहकारी समिति के अध्यक्ष वंशी ठाकुर ने बताया कि प्रदेश के 55000 सहकारी समिति कर्मचारियों को सरकारी कर्मचारी का दर्जा और वेतन दिए जाने की मांग को लेकर मध्य प्रदेश सहकारी समिति के कर्मचारी प्रदेश आह्वान पर प्रदेश के 52 जिलों में अनिश्चितकाल के लिए कलमबंद व ताला बंद हड़ताल पर है जब तक हमारी मांगे नहीं मानी जाती तब तक हमारी अनिश्चितकालीन हड़ताल के साथ साथ प्रदर्शन भी निरंतर जारी रहेगा।

जबरन नॉलेज

जन्म तिथि संबंधी सूचना

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री कु. शिवानी पिता अशोक ठाकुर एवं माता श्रीमती कविता ठाकुर जाति पवांर शास.उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ताखलाँ कलाँ में 23 जून 2017 से अध्ययनरत है जिसके शैक्षणिक दस्तावेजों एवं दाखिल खारिज राजिस्टर में त्रुटिवश जन्मतिथि 24-01-2005 अंकित होने से सभी दस्तावेजों नवमीं में हुये नामांकन एवं बोर्ड परीक्षा 10 वीं की अंकसूची में जन्मतिथि 24-01-2005 अंकित हो गयी है । जिसकी वास्तविक जन्मतिथि 24-01-2007 है। विद्यालय के प्राचार्य द्वारा मा. शि. मण्डल म.प्र. भोपाल को त्रुटि सुधार हेतु पत्राचार किया गया है, अतः मेरी पुत्री कुमारी शिवानी सेसंबंधित समस्त दस्तावेजों में जन्मतिथि 24-01-2007 मानी जावे।

सूचनाकर्त्ता
अशोक ठाकुर
ग्राम ताखलाकलाँ तहसील बरघाट
जिला सिवनी

अमृत-काल से स्वतंत्रता की शताब्दी की यात्रा का युग-पथिक: भारत

राज किशोर वाजपेयी "अभय"

इस वर्ष का स्वतंत्रता दिवस विशेष है,` योंकि यह देश के स्वतंत्रता के गौरव-पूर्ण 75 वर्ष की स मोहक यात्रा के बाद स्वतंत्रता की शताब्दी मनाने 2047 में की स्वर्णिम सपने का 76 वांऔर शताब्दी के अंतिम चतुर्थांश का पहला वर्ष है। हम सभी अपने राष्ट्र की संस्कृति, गौरव और शान पर आत्मोत्सर्ग करने वाले और सन 712 से अनवरत संघर्ष करने वाले लाखों हुतात्मायों के ऋणी है जिनके निस्वार्थ वलिदानों ने भारत को स्वतंत्रता का दैवीय वरदान प्रदान किया है।

उसी का प्रभाव है कि आज भारत अपने चन्द्र-यान मिशन से लेकर विश्व अर्थव्यवस्था में अप्रतिम उपलब्धि प्राप्त करने की चौखट पर है। अपने मानवीय विश्व-बोध के नेतृत्व से ओतप्रोत राष्ट्रीय नेतृत्व से विश्व के प्रमुख राष्ट्रों में सर्वाधिक आर्थिक विकास-दर 6.5त्न से अधिक प्राप्त कर, कोरोना से सफलता पूर्वक जीत हासिल कर,अस्सी करोड़ लोगों को मु त खाद्यान्न उपलब्ध करा, विश्व की सबसे बड़ी आयुष्मान-योजना, जन-धन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना चला अपनी सामर्थ्य प्रतिपादित कर चुका है। पर चुनौतियाँ कम नहीं है। वर्तमान विश्व-शक्तियाँ भारत की सामर्थ्य को जान उसे खंडित करने के कुचक्र में.साजिश करने से भी नहीं चूक रही।भले ही वह मानवता के खिलाफ ही यों न हो।

मतान्तरण, सा प्रदायिकता, अलगाववाद को बढ़ावा देने में वह भारतीय लोगों में लालच, भ्रम, व्यक्ति गत लाभ को देश से भी बड़ा बता दिग्भ्रमित करने से नहीं चूक रही।

विश्व कूटनीति की दुरभिसंधियो से भारतीय नेतृत्व निवट रहा है, तब भी सोशल मीडिया के कुप्रचार, सामाजिक समरसता से राष्ट्रीय भावों के हनन के प्रयास जैसे कार्यों को पहचान उन्हें समय रहते पराभूत करना ही होगा। भारतीय क्षमता का सूर्य अब अपनी पूर्ण आभार से प्रकाशित होने ही वाला है जिससे न केवल भारत अपितु विश्व का भी तय तिरोहित होकर रहेगा।

मानवीय आदर्शों की मानक पुण्य-भूमि भारत (भा अर्थात प्रकाश और रत अर्थात खोज में लगा हुआ) सुगन्धित मानव-मूल्यों युक्त सांस्कृतिक प्रतिमानों के प्रवाह का सनातनी विश्व-घोष है। भारत के विचार में ही पूरे विश्व की एक कुटु ब के रूप में मान्यता है और अपने -पराये का भेद करने वाले को छोटे सोच का माना जाता है। वृहदारण्यक उपनिषद में स्पष्ट वर्णित है कि-

अयं निज: परो वेति
गणना लघुचेतसाम।
उदार चरितानां तु
वसुधैव कुटुंबक ।

(अर्थात ये मेरा है ये पराया है ऐसा छोटे सोच वाले सोचते हैं,उदार चरित वालों के लिये तो पूरा विश्व ही एक कुटुंब है), भारतीय सनातनी संस्कृति ने ही विश्व को जिओ और जीने दो का स्वर्णिम मंत्र दिया, भोग की अपेक्षा त्याग को श्रेष्ठ माना।परिवेश-रक्षण और प्रकृति के साथ सहकार की भावना और वनवासी जीवन के प्रति दिव्यता का भाव, आयुर्वेद-चिकित्सा, योग,चार पुरुषार्थ और चोंसठ कलाओं की शिक्षा वाली गुरु-शिष्य परपंरा वाली गुरुकुल शिक्षा पद्धति, परिवार, विवाह संस्था के अतिरिक्त ज्योतिष, रसायन,वस्त्र-उद्योग, खनिज उद्योग, वास्तु-कला,शिल्प-कला, साहित्य, गायन,,नदियों और बृक्षों, पहाड़ों,धरती के प्रति क?तज्ञता और पवित्रता का भाव भारतीय विरासत को विश्व-विरासत के गौरव से महिमा मंडित कर देता है।

विश्व-गुरु और सोने की चिड़िया

ज्ञान की आदि पोथी चार वेद ,व उपनिषदों के अतिरिक्त रामायण, महाभारत, गीता सहित अन्यान्य अनगिनत ग्रन्थों सहित हजारों टीकाओं की व्या याएं भारतीय ज्ञान परापंरा के साथ कृषि और ऋषि युक्त भारतीय परिवेश सहित मानवीय मूल्यों की ऐसी अनुपम आधार-शिला रचता है कि अपनी नैसर्गिक विज्ञान और ज्ञान के मानवतावादी दृष्टिकोण से भारत सहज ही विश्व-गुरू के पद पर मान्य हो जाता है।

भारत के पुरुषार्थ का परिचय विश्व को उसकी ललित कलाओं और वणिज कर्म से भी मिलता है। विश्व भर में व्यापार करते भारतीय अपने मसालों, शिल्प, वस्त्र और रेशम के व्यापार से न केवल अकूत स्वर्ण संपदा भारत लाते थे वल्कि भारतीय संस्कृति का विस्तार भी सहज रूप से करते थे।

रोमन इतिहास कार भारत के पक्ष में व्यापारिक संतुलन देख चिंता प्रकट करते दिखते है। समृद्धि की ऐसी स्थिति के कारण ही विदेशी भारत को सोने की चिड़िया भी कहते थे। आज भले ही यह जानकारी पाठ्यक्रमों में पढ़ाई जा रही हो कि वास्कोडिगामा और कोलंबस ने भारत को खोजा हो,पर आँख खोलने वाला तथ्य तो यही है कि इन योरोपीय यात्रियों से हजारों साल पहले से मौर्य , गुप्त, चोल पल्लव राज-वंश के काल में भी भारत का व्यापार यूरोपीय और दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों से हो रहा था। अंकोरवाट कै मंदिर और रेशम-मार्ग आज भी इसकी गवाही देते हैं। योरोपीय नाविकों का आना भी भारतीय व्यापारियों के साथ ही हुआ था।

सांस्कृतिक भारत की श्रेष्ठता

राष्ट्रवाद की यूरोपीय अमेरिकन औपनिवेशिक शोषणकारी उस मान्यता से (जो देशों के संसाधनों पर काबिज होने के लिये न केवल वहाँ के मूल निवासियों का नरसंहार करती है (अमेरिका, आस्ट्रेलिया, अफ्रीकी देश) वल्कि वहां के रहवासियों का उत्पीड़न कर उन्हें बंधुआ मजदूर, विस्थापित और अकाल पीड़ित कर घनघोर गरीबी के दुष्चक्र में डाल देती है) भारतीय सांस्कृतिक राष्ट्रवाद इसलिए श्रेष्ठ था ` योंकि वह मानव का विद्या आधारित (जानकारी शोषणकारी शिक्षा नहीं) मानवीय मूल्यों की स्थापना मनुष्य मात्र में कर उसके अपने स्व को जगाने का कार्य करता है, फलस्वरूप भारतीय संस्कृति का विस्तार जहां भी देखने को मिलता है वह जीवन? से मृत्यु तक उत्सव मनाता,दूसरे धर्म का आदर करता,वलात धर्मातरण करने से दूर ही दिखता है।

स्व का स्वरूप

यह स्व का भारतीय जागरण ही है जिससे विश्व भर के लिये मानवीय मूल्यों की ध्वनि- स्थापना निनादित होती है। जिसके प्रमाण नगरीय स यता के रुप में हड़प्पा, मोहनजोदड़ो के रूप में तो वास्तुकला में अंजता, एलोरा,अशोक कालीन मूर्ति -शिल्पों, दक्षिण भारत के विशाल जीवंत मंदिरों, शिलालेखों पुस्तकों में, वेद,शास्त्र, व्याकरण की अष्टाध्यायी, चाणे य के अर्थशास्त्र,आदि में आज भी देखने को मिलते हैं।

लोकतंत्र की जननी-

भारत ही लोकतंत्र की जननी है विश्व का सबसे पुराने वैशाली के गणतंत्र का लिखित प्रमाण भारत में ही मिलता है। 16 महाजनपद भारतीय इतिहास में प्रसिद्ध है। भारतीय परंपरा शस्त्र को नहीं शास्त्र को प्रमाण मानती है। यह सनातन धर्म ही है जो परहित सरस धर्म नहीं भाई, परपीडा सम नहीं अघमाई। कह धर्म के दस लक्षणों सहित धर्मरक्षा की बात कर घोष करता है-

धर्मो- रक्षति रक्षत-
और कहता है-
अहिंसा परमो धर्म,
धर्म हिंसा तथैव च।

यही स्व धर्म पर मर मिटने की प्रेरणा दें सिख धर्म के दस गुरूयों की पावन परंपरा के आगे नतमस्तक कराता है। राजनैतिक रूप से राज्य भले ही अलग-अलग दिखते हो पर सांस्कृतिक रूप से एक भारत के आसाम, कश्मीर, कन्याकुमारी एक ही भाव-प्रवाह के सनातनी दर्शन कराते हैं। शंकराचार्य चारों भारतीय सीमाओं पर चार धामों की स्थापना करते दिखते हैं।

स्वतंत्रता का संघर्ष-

भारत की दैवीय विभूति और ऐश्वर्य संपदा के चर्चे विश्व-भर में थे। ईसा-पूर्व से भारत पर यूनानी, शक, हूण आदि के हमलों का प्रमाण वर्तमान में पढाये जाने वाले इतिहास में मिलता है। ये सब हमले राजनैतिक विस्तार के लिये थे। लेकिन भारतीय सांस्कृतिक संपदा और लोक जीवन अप्रभावित था। लेकिन 712 ईसवी में सिंध पर हुये इस्लामी खलीफा के कहने पर हुये मुह मद बिन कासिम के हमले के वाद स्थिति बदल गई। धर्मातरण और लूटपाट महिलाओं और बच्चों के साथ पाशविक अत्याचारों और की श्रृंखला पश्चातवर्ती सभी आक्रमण कारियों गजनी, गौरी, ऐबक, इल्तुतमिश, खिलजी, तुगलक, सैयद, लोदी, मुगलों के काल में भी जारी रही। इन आक्रमणकारियों ने न केवल भारतीय राजाओं से सत्ता तलवार, धूर्तता और अमानवीयता के आधार पर हड़पी वल्कि भारत के स्व पर हमला कर उनके पूजा स्थल तोड़ कर कब्जे किये, धार्मिक कर लगाये, आर्थिक संसाधनों पर कब्जे कर बहुसं यक जनता को दूसरे दर्जे के नागरिक के रूप जि मी के रूप में जीने को विवश करने की कोशिश हुयी।और यही कार्य वाद में ईस्ट इंडिया कंपनी के रूप में व्यापारी बन भारत की सत्ता हड़पने वाले अंग्रजों ने भी किया।

भारत की समृद्धि रूपी गाय का दूध अंग्रेजी सत्ता पी रही थी और भारत माँ की संताने दुर्बल,दीन-हीन हो रही थी। ऐसी घातक चूनौती-पूर्ण परिस्थितियों में भारतीय अपनी सांस्कृतिक स्वतंत्रता हित संरक्षण हेतु उठ खड़े हुये और 15 अगस्त सन 1947 में अपनी राजनीतिक स्वतंत्रता तक सफलता-पूर्वक लड़े। इसी काल को दुनिया ने सबसे बड़े और सबसे ल बे स्वतंत्रता संघर्ष के रूप में जाना। 1200 वर्षो से अधिक समय तक चले इस संघर्ष के अप्रतिम प्रतिमान रचें। राजा दाहिर, बप्पा रावल, महाराणा कुंभा, पृथ्वीराज चौहान, विजयनगरम राज्य के संस्थापक वीर हरिहर और बुक्का, गुरिल्ला युद्ध के प्रथम भारतीय प्रणेता महाराणा प्रताप, रानी दुर्गावती, सिख गुरूओं की वलिदानी श्रंखला,बंदा बैरागी, हरि सिंह नलवा, हिन्दू पदपादशाही के संस्थापक छत्रपति शिवाजी, छत्रसाल, पंजाब केशरी राजा रणजीत सिंह,पेशवा बाजीराव, हुतात्मा मंगल पांडे, झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, नाना साहेब,तात्या टोपे, कुंवर सिंह, लाला लाजपत राय, विपिनचंद्र पाल, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक, उगम सिंह, रासबिहारी बोस, स्वातंर्त्य-वीर, महात्मा गांधीजी, सावरकर,नेताजी सुभाषचंद्र बोस, अमर शहीद भगत सिंह, चंद्र शेखर आजाद, रामप्रसाद बिस्मिल, सहित हजारों हजार अनाम भारतीय योद्धाओं के अतिरिक्त महाकवि तुलसीदास,भूषण, समर्थ रामदास, स्वामी दयानंद, स्वामी विवेकानंद, आंनद-मठ(वंदे मातरम) के रचयिता वंकिमचंद चटर्जी, मैथिलीशरण गुप्त, माखनलाल चतुर्वेदी, सुभद्रा कुमारी चौहान, सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय, रामधारी सिंह दिनकर, बाल कृष्ण शर्मा ÷नवीन÷ सहित लाखों सामान्य जनों की अलख से स्व यानि अपने तंत्र की स्थापना की लड़ाई लड़ी गयी।

इसी दौरान बिट्रिश सत्ता के विरूद्ध 1857 का प्रसिद्ध भारत का प्रथम स्वतंत्रता-संग्राम भी लड़ा गया। इस प्रकार यह किसी भी देश का अपनी स्वतंत्रता के लिये लड़ा जाने वाला विश्व का सबसे लंबा स्वतंत्रता संग्राम भी है जिसमें? अनुमानत- 1 करोड से अधिक लोगों ने अपने प्राणों और स्वत्त्व की आहुति इन 1200 से अधिक वर्षों में दी होगी। इसी के फलस्वरूप 1929में रावी के तट पर पूर्ण स्वतंत्रता का लिया संकल्प 15 अगस्त 1947को पूरा हुआ,और भारत स्वतंत्र राष्ट्र बना। हम अपने स्वयं के तंत्र प्रणाली से शासित होने के अधिकारी बने।

स्वाधीनता की ओर प्रयाण-

देश? अपनी स्वतंत्रता के इस बर्ष 75 साल पूर्ण कर अमृत महोत्सव मना रहा है। विश्व की अनमोल विरासत भारतीय -संस्कृति को समृद्ध करने का दायित्व हम सब भारतीयों का है। सैकड़ों सालों की पराधीनता और परतंत्रता के कारण जनजीवन में फैली दारुण गरीबी, कुपोषण, अशिक्षा, भ्रष्टाचार आदि की चुनौतियों को स्वीकारना ही होगा। स्व-अनुशासन ही हमें सहज सफलता देगा।

भारतीयों की सामर्थ्य का प्रमाण विश्व भर ने कोरोना महामारी के सफलता पूर्वक भारतीय प्रतिकार के रूप में, 200 करोड़ कोरोना टीके उत्पादन करते हुये और टीकाकरण करने में देखा है। आज विश्व की सबसे बड़ी सा टवेयर शक्ति भारत, परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र होकर विश्व सैन्य -क्षमता में चौथे क्रम पर है।उसकी अंतरिक्ष क्षमता और कृषि और दुग्ध-क्रांति ने विश्व को अचंभित किया है।

आज भारत दुनिया भर की सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था है। कोरोना काल में भारत ने 80 करोड लोगों को मु त राशन ,व करोड़ों नागरिकों को आयुष्मान योजना का लाभ देकर अपनी सामर्थ्य प्रमाणित कर दी है। आत्म-निर्भर भारत का लक्ष्य भारतीय अमृत महोत्सव पर देखा जाने वाला पावन सपना है। स्वतंत्रता के सौ बर्ष 2047 में पूरे होने पर सबको मकान, स्वच्छ पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के साथ,उर्जा क्षेत्र व सैन्य -हथियार उत्पादन में आत्म-निर्भरता का लक्ष्य हमारी सामयिक आवश्यकता है,जिसे राष्ट्रीय-नेतृत्व को पूर्ण करना ही होगा।यही हमारी स्वतंत्रता से स्वाधीनता की बांछित यात्रा है,जिसे हमें पूरा करना ही है।

राष्ट्र-कवि मैथिली शरण गुप्त जी ने हिंदी भाषा को राष्ट्रभाषा बनाने और जनमानस में राष्ट्रीय चेतना हेतु लिखा है-

आर्य-जन मानस-भवन में,
जिसकी उतारें आरती।
भगवान भारतवर्ष में
गूंजे हमारी भारती।।

उन्होंने लिखा-

जिसको न निज गौरव,
तथा निज देश का अभियान है।
वह नर नहीं,नर-पशु निरा,
मृतक समान है।

यह हमसब का सौभाग्य है कि हम स्वतंत्रता से स्वाधीनता की गौरवशाली यात्रा के सहभागी है। स्वर्णिम भारत का सपना। मिल कर करना पूरा अपना। वंदे मातरम। भारत माता की जय।

संघ कार्यालय 'समिधा' पर सह-सरकार्यवाह डॉ. मनमोहन वैद्य ने फहराया तिरंगा

भोपाल। देश के 77 वें स्वाधीनता दिवस के प्रसंग पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह-सरकार्यवाह डॉ. मनमोहन वैद्य ने भोपाल में संघ कार्यालय 'समिधा' पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया। इस अवसर पर मध्यभारत प्रांत के संघचालक श्री अशोक पांडेय, भारतीय विचार संस्थान के अध्यक्ष श्री सतीश पिंपलीकर और सचिव श्री सोमकांत उमालकर उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सह-सरकार्यवाह डॉ. मनमोहन वैद्य ने कहा कि सबसे पहले भारत को मानो, उसको जानो, समझो और फिर भारत को बनाओ। भारत के निर्माण में प्रत्येक व्यक्ति को अपनी भूमिका का निर्वहन करना चाहिए। इस अवसर पर उपस्थित 35 प्रांतों की बहनों ने गोविंद ग्राम के प्रकल्प के अनुभव सबके साथ साझा किए।

विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी पूरी करने की दिशा में प्रदेश शासन गंभीर

प्रदेश के ज़िलों में पदस्थ होंगे सर्जन, शिशु रोग विशेषज्ञ और दंत शल्य चिकित्सक

मु यमंत्री प्रदान करेंगे नव-नियुक्त चिकित्सकों और विशेषज्ञों को नियुक्ति-पत्र

भोपाल । राज्य सरकार प्रदेश के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में संकल्पित है। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं और सुविधाओं में निरंतर वृद्धि की जा रही है। विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी की पूर्ति के लिए भी सरकार द्वारा निरंतर सघन प्रयास किए जा रहे हैं। इसी दिशा में अब एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में मु यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा 17 अगस्त को नव-नियुक्त विशेषज्ञों और चिकित्सकों को नियुक्ति-पत्र प्रदान किए जाएंगे।

प्रदेश में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी से नागरिकों को होने वाली परेशानी को दूर करने के लिए लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा ठोस आवश्यक रणनीतिक कदम उठाये गये हैं। विभाग ने सेवा भर्ती नियमों में पूर्व के प्रावधानों में संशोधन करते हुए सीधी भर्ती कर पद भरने का निर्णय लेकर मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से सीधी भर्ती के माध्यम से विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति की गई। साथ ही विशेषज्ञों के केडर का निर्माण भी किया गया है। मु यमंत्री श्री चौहान के हाथों से नियुक्ति-पत्र प्राप्त करने के बाद विशेषज्ञ चिकित्सक प्रदेश के विभिन्न जिलों में अपनी सेवाएँ प्रदान करेंगे, जिससे नागरिकों को लाभ प्राप्त हो सकेगा।

मुद्रा योजना के उद्यमी मु यमंत्री उद्यम क्रांति योजना में ब्याज अनुदान के पात्र होंगे

भोपाल। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना में स्थापित मौजूदा ऐसी इकाइयों, जिनका 1 सितंबर 2022 के बाद नवीनीकरण हुआ है, को मु यमंत्री उद्यम क्रांति योजना में लाभांवित किए जाने के लिए नवीन उद्यम होने संबंधी प्रावधान से छूट रहेगी और ब्याज अनुदान का लाभ मिलेगा। गत 7 अगस्त को हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया है।

विभाजन का दंश... कौन जि मेदार

- अखिलेश श्रीवास्तव

हां, वही अल्लामा इक़बाल जिन्होंने लिखा था सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा। जिसे हम आज भी राष्ट्र गान के बाद लगभग दूसरे नंबर पर रखते हैं। अल्लामा इकबाल ने इसी गीत में लिखा था कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी, सदियों रहा है दुश्मन दौरे जहाँ हमारा। ये लिखने वाले मोह मद इकबाल ने ही पाकिस्तान की भी इबारत लिखी।

उसने तबके इलाहाबाद और अभी के प्रयागराज में हुए मुस्लिम लीग के अधिवेशन में पाकिस्तान की संकल्पना रखी. मोह मद इकबाल लीग के इस अधिवेशन की अध्यक्षता कर रहे थे. इसी अधिवेशन में पाकिस्तान का प्रारूप तय हुआ . सारे जहाँ से अच्छा वाले मोह मद इकबाल ने कहा कि मैं चाहता हूं कि पंजाब, उत्तर पश्चिम सीमा प्रांत, सिंध और बलूचिस्तान को मिलाकर मुसलामानों के लिए एक अलग देश बने. उसने कहा कि भारत के मुसलामानों की यहीं अंतिम नियति है. इकबाल ने 29 दिसंबर 1930 को ये कहा और इसी आधार पर गवर्नमेंट आफ़ इंडिया 1935 सामने आया. जिसके आधार पर मुसलमानों के लिए अलग से निर्वाचन क्षेत्र बनाए गए। बड़ी गलती कांग्रेस ने यह की कि जब देश में चुनाव हुए तो यूनाइटेड प्रोविंस की 228 सीटों में 64 मुसलमानों के लिए आरक्षित की गई। कांग्रेस का परिणाम यह हुआ कि उसका एक मुस्लिम प्रत्याशी जीतकर आया और नींव पड़ी विभाजन की।

कांग्रेस के अध्यक्ष रहे मौलाना आजाद अपनी प्रसिद्ध पुस्तक ÷इंडिया विंस फ्रीडम÷ के पेज नंबर 161 पर लिखते हैं कि मुस्लिम लीग 1937 में ही खत्म हो गई होती. लेकिन यूनाइटेड प्रोविंस से मुस्लिम लीग को ताकत मिली । जिन्ना ने इसका भरपूर फायदा उठाया और पाकिस्तान बन गया।

दरअसल नेहरु जी की इस समझ ने कि वे जिन्ना को पाकिस्तान देकर, जिन्ना से मुक्ति पा लेंगे का था। यह बात माउंटबेटन के प्रेस सलाहकार एलन कैंपबेल जोहानसन ने अपनी किताब ÷मिशन वेद माउंटबेटन÷ में लिखी है। यह उसी तरह का फार्मूला है जैसे कोई सिर दर्द होने पर अपना सिर ही कटवा ले। एलन अपनी माँ को लिखे पत्र में लिखते हैं ÷लगता है कि अगर फैसला विभाजन के पक्ष में हुआ तो बड़े स्तर पर सांप्रदायिक दंगे हो सकते हैं÷ सवाल खड़ा यह होता है कि यदि अंग्रेजों और कांग्रेस दोनों को यह पता था कि दंगे और हिंसा बड़े पैमाने पर हो सकते हैं तो उन्हें रोकने के प्रयास` यों नहीं हुए ? एक और प्रश्न जो खड़ा होता है वह यह है कि जिस स्वतंत्रता के लिए क्रांतिकारियों ने अपना सर्वस्व निछावर कर दिया 1947 आते ही सत्ता के लिए यह नेता अंग्रेजों के दोस्त` यों बन गए? सिर्फ जिन्ना से छुटकारा पाने के लिए देश को ही बांट दिया। लाखों-करोड़ों को मरने मारने पर छोड़ दिया । बंटवारे के इस निर्णय ने 10 करोड़ लोगों का शांति से चल रहा जीवन एक ही रात में नर्क बना दिया। धर्म आधारित भारत विभाजन ने मानवीय इतिहास के सबसे बड़े विस्थापन के हालात पैदा कर दिए उस समय अविभाजित पंजाब की जनसं या 3 करोड़ 43 लाख 09 हजार 861 और बंगाल की कुल जनसं या 6 करोड़ 14 लाख 60 हजार 377 थी। विभाजन का दंश इन्हीं दो प्रांतों ने सबसे ज्यादा झेला।

जिस विभाजन की सीमाएं 30 मिनट में अंग्रेजों ने तय कर दी , उसके बारे में डॉ टर अंबेडकर ने एक किताब लिखी है । डॉ टर भीमराव अंबेडकर की इस किताब का नाम ÷पाकिस्तान आर द पार्टीशन ऑफ इंडिया÷ है जो 1945 में ही प्रकाशित हो गई। बाबा साहब ने वर्षो पहले ही सचेत कर दिया था कि अगर भारत का बंटवारा होता है तो पाकिस्तान में हिंदुओं और सिखों का भविष्य सुरक्षित नहीं रहेगा और अंततः जैसा कि डॉ टर अंबेडकर ने चेताया था। दुर्भाग्य से ऐसा ही हुआ। सांप्रदायिक विभाजन का परिणाम बहुत ही भयावह था। लियोनार्ड मूसली अपनी किताब के पृष्ठ 279 पर लिखता है कि अगस्त 1947 से अप्रैल 1948 तक ही 1 लाख 40 हजार लोगों का विस्थापन हुआ। इस काल में छह लाख की हत्या कर दी गई। बच्चों को पैरों से उठाकर उनके सिर दीवार से फोड़ दिए गए। बच्चियों का बलात्कार किया गया। बलात्कार करके लड़कियों के स्तन काटे गए। जो अमानवीयता हुई उसे लिखा ` या सोचा भी नहीं जा सकता। लोग गुहार लगाते रहे, नेता समझते रहे, विस्थापित मरते रहे।

माउंटबेटन का प्रेस सलाहकार एलन कैंप विल लिखता है कि 21 सितंबर 1947 की सुबह गवर्नर जनरल के डकोटा हवाई जहाज से लॉर्ड माउंटबेटन के साथ हालात का जायजा लेने कुछ अंग्रेज अधिकारी एलन, नेहरू ज , पटेल, नियोगी ओर राजकुमारी अमृत कौर पूर्वी व पश्चिमी पंजाब का दौरा करने निकले। जब यह नेता और अंग्रेज भटिंडा पहुंचे तो भयंकर उथल-पुथल का आभास हो गया। यह बड़ा रेलवे स्टेशन है, आदमियों से भरी दो ट्रेन स्टेशन पर खड़ी थी। कुछ विस्थापित ट्रेन की छत पर चढ़े थे। कुछ खिड़कियों और पैदानों पर लटके थे यहां तक की इंजन के ऊपर भी चढे थे। इस दल को फिरोजपुर पहुंचने पर भी विस्थापितों से लदी ऐसी ही ट्रेने मिली। रावी पहुंचते पहुंचते जन समुदाय के इस भयंकर विस्थापन के आकार प्रकार का पहला विहंगम दृश्य हमारे सामने आया। पलायन पर मजबूर लोगों के पहले काफिले की झलक इस दल ने फिरोजपुर पर देखी। इसका पीछा करते हुए यह लोग रावी नदी के उपर बहुत दूर तक उड़े। विस्थापितों के इस दुर्भाग्यशाली प्रवाह के साथ 50 मील तक उड़ने पर भी उसका छोर ना मिला। विस्थापन का यह आधिकारिक सर्वे था। इसलिए यह न सिर्फ महत्वपूर्ण है बल्कि अंदाजा लगाया जा सकता है कि उसे दौर में` या स्थितियां रही होगी। सबसे पहले ध्यान देना होगा कि यह दौरा 21 सितंबर को हुआ यानी विभाजन के 38 दिनों बाद। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि विभाजन का दंश कुछ दिनों नहीं बल्कि महीना झेला गया था। बड़ा प्रश्न यह है कि इतने दिनों बाद` यों हवाई सर्वे हुआ? विभाजन से पहले और उसके बाद अंग्रेजों के साथ रात्रि भोज दोपहर के लंच और सुबह के नाश्ते में कौन-कौन लोग शामिल रहे?

सामाजिक समरसता के लिए स्नेह यात्रा 16 से 26 अगस्त तक

देशभर से आए संत जगायेंगे आत्मीयता का भाव

भोपाल। साधु-संतों के सानिध्य में समाज के विभिन्न वर्गों में आत्मीयता का भाव बढ़ाने और सामाजिक समरसता के उद्देश्य को लेकर प्रदेशव्यापी स्नेह यात्रा का शुभारंभ हुआ। मध्यप्रदेश जन-अभियान परिषद, योजना, आर्थिक एवं सां यकी विभाग और संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 16 से 26 अगस्त तक स्नेह यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यात्रा के दौरान प्रत्येक जिले में संत भ्रमण करेंगे और वहाँ की बस्तियों में जाकर समरसता के भाव से जन-मानस से संवाद करेंगे। निवाड़ी, उज्जैन, खंडवा, शिवपुरी, सिवनी, अनूपपुर, रायसेन, दमोह, शहडोल, सीधी, इंदौर, मुरैना, नरसिंहपुर और रीवा सहित सभी जिलों से शुरू हुई।

एकात्म भाव के जागरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी स्नेह यात्रा

स्नेह यात्रा अध्यात्म के प्रभाव के साथ-साथ समाजिक समरसता के लिए अनूठी पहल है। विश्व बंधुत्व के भाव के साथ देश के अलग-अलग स्थानों से पधारे संत-गण प्रदेश के हर जिले में यात्राएँ करेंगे। यात्रा के दौरान समरसता को बढ़ाने वाली अनेक तरह की गतिविधियों का संचालन किया जाना है। यात्रा में महर्षि पतंजलि योग समिति, रामचंद्र मिशन, गायत्री परिवार सहित अन्य आध्यात्मिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। यह यात्रा समाज में एकात्मक भाव के जागरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

'एक थाल-एक याल' के रूप में जोड़ने का प्रयास

यात्रा समाज के समस्त वर्गों को भेदभाव भुला कर %एक थाल-एक याल% के रूप में जोड़ने का प्रयास है। सभी जिलों में एक ही अवधि में समानान्तर 52 यात्राओं का आयोजन किया जा रहा है। प्रत्येक जिले में एक पूज्य संत के नेतृत्व में विशेष यात्रा दल जिले के समस्त विकासखंडों से होते हुए 11 दिन की अवधि में उसी जिले के किसी दूसरे प्रमुख स्थान पर समाप्त होगी। यात्रा प्रतिदिन 2 खंडों में स पन्न होगी। प्रथम चरण में प्रातः 9 से 2 बजे तक एवं द्वितीय चरण में शाम 4 से 9 बजे रात्रि तक रहेगी। प्रथम चरण में न्यूनतम 5 ग्रामों/क्षेत्रों में संपर्क के बाद यात्रा संवाद स्थल पर पहुँचेगी। द्वितीय चरण में सत्संग, संकीर्तन और सहभोज के साथ उस दिन का समापन होगा। यात्रा में यथासंभव प्रतिदिन स्थानीय संसाधन, व्यक्ति, परंपरा, सामग्री और सबके सहयोग से कार्यक्रम आयोजित होंगे।

आजादी के पर्व का हुआ गरिमामय आयोजन, कले टर ने किया ध्वजारोहण

देशभक्ति गीतों से गूँजी' 'अग्रवाल महिला महासभा'

मंडला यशोः- 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस को देशभक्ति और गरिमा के साथ जिला मु यालय के पुलिसलाईन ग्राउंड में धूमधाम से मनाया गया। स्वतंत्रता दिवस के समारोह में कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इसके पश्चात् तिरंगे को सलामी दी गई एवं राष्ट्रगान गाया गया। मध्यप्रदेश गान के पश्चात् मु य अतिथि ने केसरिया, सफेद और हरे रंग के गुब्बारे आसमान में छोड़े। कले टर ने समारोह में शामिल सभी दलों के परेड का निरीक्षण किया। हर्ष फायर के पश्चात् अपने सधे कदमों से सभी दलों ने शानदार मार्च पास्ट का प्रदर्शन किया। मंच के सामने गुजरते हुए इन दलों ने राष्ट्रभक्ति, एकता और अनुशासन का संदेश दिया। इसके पश्चात कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मु यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का प्रदेश की जनता के नाम संदेश का वाचन किया।

स्वतंत्रता दिवस के मु य समारोह में आदिवासी लोक संस्कृति, पीटी परेड तथा 'मेरी माटी मेरा देश' की थीम पर स्कूली विद्यार्थियों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन हुआ। इस अवसर पर मंडला विधायक देवसिंह सैयाम, पूर्व राज्यसभा सांसद स पतिया उईके, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, जिला पंचायत सीईओ श्रेयान्स कूमट, अपर कले टर राजेन्द्र कुमार सिंह, सहायक कले टर रवि कुमार सिहाग, जिला पंचायत सदस्य शैलेष मिश्रा, नगरपालिका उपाध्यक्ष अखिलेश कछवाहा, सांसद प्रतिनिधि जयदत्त झा, स्वतंत्रता सेनानियों के परिवार, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अभिलाष तिवारी, राजेश जयसवाल, अखिलेश उपाध्याय तथा प्रीति दुबे ने किया।

लोकतंत्र सेनानियों का हुआ स मान आजादी पर्व के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा जिले के लोकतंत्र सेनानियों एवं उनके परिजनों को उनके आवास पर स मानित किया गया। कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने मंच से लोकतंत्र सेनानियों के परिजनों को स मानित किया।

स्वतंत्रता दिवस की बेला में अग्रवाल महिला महासभा,मंडला के तत्वाधान मे स्वतंत्रता दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया,हॉल को ट्राई कलर पर डेकोरेट किया गया ,श्रीमती प्रियंका बजाज के निवास में आयोजित कार्यक्रम में समाज की महिलाओं श्रीमती रमा, सरिता,मधुमति,लक्ष्मी अग्रवाल ने मंच संचालन करते हुए आगे होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की।श्रीमती संध्या,गीता एवं रश्मि द्वारा देशभक्ति गीत प्रस्तुत किये गये जिससे समस्त सभासद देशभक्ति से सराबोर हो गये। कार्यक्रम मे मंदो दादी, मालती, प्रमिला,पुष्पा, संध्या, हेमा, ऋतु, संगीता, रानी, राखी, रंजना, निशा, नेहा, रोशनी, अनिता, सिंधु, संगीता, प्रतिमा, दीपा,संचिता उपस्थित रहीं। सभी सदस्यों ने महाराज श्री अग्रसेन जी की आरती कर प्रसाद वितरण किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।अंकिता बजाज ने सभी को आभार व्यक्त किया।

फैन्सी ड्रेस के साथ बच्चों का सराहनीय प्रदर्शन

मुस्कान पुनर्निवास केंद्र, सिंहवाहिंनी वार्ड में मुस्कान वेल्फेयर सोसायटी द्वारा स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया,इसमें अधिवक्ता मनोज फागवानी द्वारा ध्वजारोहण के साथ राष्ट्रगान करने के पश्चात कार्यक्रम की शुरूआत की गई,केन्द्र में शामिल सभी बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया,इसका उद्देश्य दिव्यांग बच्चों का उत्साह वर्धन करना रहा, इसमें शामिल दिव्यांग बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया एवं उन्होंने स्वीपर,किसान,जज, स्टेच्यू ऑफ नेशनल सिंबल्स, भगत सिंह, सावित्री बाई फुले आदि की वेशभूषा धारण किया करके आयोजन की शोभा बढ़ाई, कार्यक्रम के अंत में बच्चों के प्रदर्शन के साथ प्रोत्साहित करते हुए उन्हें पुरस्कार प्रदान किए गए। मु य अतिथि के रूप में सुधीर उपाध्याय एवं मुस्कान वेलफेयर सोसायटी के सदस्य अधिवक्ता मनोज फागवानी,मंजू फागवानी,डॉ अंकित पटेल, डॉ राशी सिंगौर एवं आयोजन में शामिल बच्चों के अभिभावक कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

मुस्कान वेल्फेयर सोसायटी दिव्यांग बच्चों के यथा संभव विकास के लिए निःशुल्क और बेहतर सेवाएं दे रही है। नन्हें छात्र बने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी,भारत माता का निभाया किरदार'

स्वतंत्रता दिवस पर किड्जी प्ले स्कूल में आयोजित हुआ कार्यक्रम

स्वतंत्रता दिवस में आयोजन की श्रृंखला में किड्जी प्ले स्कूल नेहरू स्मारक में शान से तिरंगा लहराया,राष्ट्रगान से शुरुआत करते हुए भारत माता और भारत देश के लिए जयकारे लगाए गए विविध आयोजन किए गए जिसमें नन्हे छात्र छात्राओं ने विविध वेशभूषा में प्रस्तुति देकर सबका मनमोह लिया,हॉल को तिरंगे कलर से सुसुसज्जित किया गया ,इसमें प्ले ग्रुप के छात्र छात्राओं ने फैंसी ड्रेस में विविध वेशभूषा में तैयार होकर बेहतर प्रस्तुति दी ,इसके साथ ही नर्सरी कक्षा के छात्र छात्राओं ने स्वतंत्राता संग्राम सेनानी भगतसिंह,राजगुरू,सुखदेव, चंद्रशेखर आजाद एवं भारतमाता,झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, वैज्ञानिक,महात्मा गांधी, डॉ टर आदि की वेशभूषा में प्रस्तुति दी जूनियर केजी एवं सीनियर केजी के छात्र छात्राओं ने भारत के विभिन्न प्रांतों की वेशभूषा पर अपना अभिनय प्रस्तुत किया, स्वतंत्रता दिवस पर कविता, स्पीच और देश की आजादी के लिए प्रेरित करने वाले स्लोगन भारत हमको जान से प्यारा है,मैं अपनी झाँसी कभी नहीं दूंगी, दुश्मन की गोलियों का हम डटकर सामना करेंगे, आजाद हैं, आजाद ही रहेंगे, सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है, देखना है जोर कितना बाजु-ए -कातिल में है,जैसे स्लोगन तैयार करके स्वतंत्रता दिवस के आयोजन को भावुक बनाया,इस अवसर पर स्कूल के छात्र छात्राओं के मार्गदर्शन में स्कूल प्रबंधन प्राचार्या श्रीमति शालिनी शु ला,एकेडमिक कोओरडिनेटर श्रीमति राशि पमनानी एवं टीचर स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

मतदान केन्द्रों का निरीक्षण, दिए निर्देश

मण्डला यशोः- कले टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सलोनी सिडाना एवं पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा ने बुधवार को मवई विकासखण्ड के छत्तीसगढ़ की सीमा से लगे देवगांव, भिमौरी, हर्राटोला, बैला, मनोरी, सठिया एवं बसनी मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। भ्रमण के दौरान एसडीएम बिछिया सर्जना यादव, सहायक कले टर रवि कुमार सिहाग, सीईओ मवई कपिल तिवारी आदि उपस्थित रहे।

कले टर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि विधानसभा चुनाव के मददेनजर मतदान केन्द्रों में दरवाजे, बिजली, पानी, रै प तथा शौचालय आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने शाला भवन की मर मत के लिए स्कूल शिक्षा विभाग तथा शौचालयों की मर मत के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शालाओं में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करें। पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा ने भ्रमण के दौरान पुलिस अधिकारियों से सुरक्षा संबंधी जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। ग्रामीणों से चर्चा करते हुए निर्वाचन के दौरान निर्भय होकर मतदान करने की अपील की।

वोटर लिस्ट का किया मिलान

भ्रमण के दौरान कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने संबंधित बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाईजर से मतदाता सूची के पुनरीक्षण के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने विशेष शिविर के दौरान फार्म-6, 7 एवं 8 के तहत की गई कार्यवाही की जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। कले टर ने कहा कि किसी भी पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से वंचित नहीं रहना चाहिए। घर-घर संपर्क करके मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाएं। डॉ. सिडाना ने रैंडम आधार पर मतदाता सूची का मिलान भी किया। उन्होंने ग्राम मनोरी के बीएलओ द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की।

बसनी में स्वास्थ्य शिविर लगाने के निर्देश

शालाओं के निरीक्षण के दौरान बच्चों से स्वास्थ्य के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने बसनी तथा पखवार ग्राम में स्वास्थ्य शिविर लगाते हुए लोराईड, सिकल सेल, एनीमिया आदि की जांच कराने के निर्देश दिए। कले टर ने पीएचई विभाग को ग्राम के सभी हेंडपंपों का सर्वे कर लोराईडयुक्त पानी वाले पंपों का चिन्हांकन कर पेयजल की वैकल्पिक व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए। डॉ. सिडाना ने हर्राटोला में आरोग्यम केन्द्र का आकस्मिक निरीक्षण करते हुए दवाईयों की उपलब्धता आदि के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने क्षेत्र के भ्रमण के दौरान वनोपज संग्रहण के संबंध में जानकारी ली तथा स्व-सहायता समूहों को सक्रिय करते हुए उन्हें आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने के निर्देश दिए।

'मलेरिया कार्यक्रम की समीक्षा बैठक का आयोजन''

सिवनी यशोः- 17 अगस्त को जिला मलेरिया कार्यालय में मलेरिया एवं डेंगू की रोकथाम हेतु जिले में किए जा रहे नियंत्रण कार्यो की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता मु य चिकित्सा एवं स्वास्थ अधिकारी डॉ. जयपाल सिंह ठाकुर द्वारा की गई। समीक्षा बैठक में मु य चिकित्सा एवं स्वास्था अधिकारी द्वारा मलेरिया की जांच लक्ष्य अनुरूप करने, मलेरिया पॉजिटिव प्रकरण पाये जाने पर मरीज को तत्काल उपचार प्रदान करने तथा प्रभावित ग्रामों में प्रोटोकॉल अनुसार कार्य करने एवं डेंगू के केश मिलने पर तत्काल प्रतिबंधित कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया।

उक्त बैठक में जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. रामजी भलावी एवं समस्त विकासखंड के मलेरिया निरीक्षक, मलेरिया टेंी नकल सुपरवाईजर एवं स्थानीय मलेरिया कार्यालय स्टॉफ उपस्थित रहा।

बेहतर मिला मध्यान्ह भोजन, कले टर ने स्वयं की थाली से रसोइयों को खिलाया

कले टर ने किया मवई क्षेत्र का भ्रमण, स्कूलों का किया निरीक्षण

मंडला यशोः- बुधवार को कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने मवई क्षेत्र के स्कूलों का निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चों से संवाद करते हुए शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली। स्कूलों में कमियां पाये जाने पर सुधार के निर्देश दिये और कहा कि शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत रहें। कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने मवई विकासखण्ड के प्राथमिक शाला हर्राटोला का निरीक्षण किया। यहां मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता बेहतर मिली। उन्होंने यहां मध्यान्ह भोजन ग्रहण किया और

मातेश्वरी स्व-सहायता समूह की रसोइया तीजा बाई को स्वयं की थाली से भोजन कराया। उन्होंने समूह की महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इसी तरह से बच्चों को नियमित रूप से बेहतर गुणवत्ता का भोजन प्रदाय करें। भ्रमण के दौरान पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, एसडीएम बिछिया सर्जना यादव, सहायक कले टर रवि कुमार सिहाग, सीईओ मवई कपिल तिवारी आदि उपस्थित रहे।

कले टर ने शालाओं के निरीक्षण के दौरान दर्ज सं या और औसत उपस्थिति के संबंध में जानकारी लेते हुए शतप्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बच्चों से पुस्तक वितरण तथा गणवेश वितरण आदि के संबंध में भी जानकारी ली। कले टर ने निर्देशित किया कि सहायक शैक्षिक सामग्री का उपयोग करते हुए गुणवत्तायुक्त शिक्षण सुनिश्चित करें। पाठ्यक्रम समय पर पूरा कराएं। डॉ. सिडाना ने प्राथमिक शाला हर्राटोला में बच्चों का उपलब्धि स्तर अच्छा पाए जाने पर शाला शिक्षकों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

भवन मर मत और निर्माण के प्रस्ताव तैयार करें

कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने मवई विकासखण्ड की प्राथमिक शाला देवगांव, भिमौरी, हर्राटोला, बैला, मनोरी, सठिया तथा बसनी का निरीक्षण किया। उन्होंने शाला भवनों की मर मत कराये जाने के निर्देश अधिकारियों को दिये। कले टर ने कहा कि देवगांव में प्राथमिक शाला भवन, बसनी में माध्यमिक शाला भवन तथा बैला में आंगनबाडी भवन के लिए प्रस्ताव तैयार कर नियमानुसार स्वीकृति की कार्यवाही करें। उन्होंने प्राथमिक शाला में बच्चों से पुस्तक पढ़वाई और गणित के प्रश्न किये। साथ ही बच्चों को मेहनत के साथ अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस लाइन में मॉक ड्रिल का किया गया अ यास

मंडला यशो::- पुलिस अधीक्षक मंडला के निर्देश पर पुलिस लाइन में बलवा ड्रील का अ यास किया गया। शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने व किसी भी प्रतिकूल परिस्थितियों से निपटने के उद्देश्य से रिजर्व पुलिस लाइन में पुलिस कर्मियों को विभिन्न प्रकार के शस्त्रों एवं दंगा नियंत्रण उपकरणों के संचालन का प्रशिक्षण प्रदान किया गया और पुलिस बल को दंगाईयों से निपटने के लिए विभिन्न तरीके सिखाए गए। अ यास के दौरान भीड़ को तितर-बितर करने के विभिन्न तरीकों के साथ लाठी चार्ज, आंसू गैस के गोले और दंगाईयों पर एंटी राइट गन ध्टीयर गैस गन ध्हैंड ग्रेनेड आदि शस्त्रों को चला कर अ यास कराया गया।

मॉक ड्रिल का अ यास कराया गया'

साथ ही विभिन्न टीमें बनाकर दंगा नियत्रंण के लिए अमल में लाये जाने वाले सभी विधिक प्रावधानों का क्रमवार अ यास, क्राइम सीन माक ड्रिल कराया गया। अ यास के दौरान रक्षित निरीक्षक सुनील नागवंशी, निरीक्षक जनक सिंह रावत, थाना प्रभारी महिला थाना ममता परस्ते, निरीक्षक आरती धुर्वे, निरीक्षक प्रदीप पांडे, सुबेदार गेलेन्द्र नागवंशी सहित पुलिस लाइन व थाने के अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

कोसो से दूर मण्डला का विकास, सांसद कुलस्ते बजा रहे चैन की बंशी

न सडक, न रेल, न मेडिकल और न ही ईलाज के लिए कोई डो टर, नेतृत्व हीन जिला, जिला की आवाज उठाने वाला कोई नहीं.... !

मण्डला यशोः- मण्डला लोकसभा क्षेत्र मु यालय होने के बावजूद भी मण्डला जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग सुचारू आवागमन योग्य न होने, मण्डला फोर्ट रेल्वे स्टेशन से मण्डला फोर्ट वांछित रेलगाडियों से आवागमन प्रारंभ न होने, मण्डला में स्वीकृत मेडिकल कॉलेज की आधार सिला न रखने व जिले में ईलाज हेतु समुचित डो टरों की पदास्थिति न होने तथा पासपोर्ट कार्यालय प्रारंभ न होने के कारण जिले की जनता त्राहिमान-त्राहिमान कर रही है परंतु न तो सांसद, विधायक और न ही सक्षम अधिकारी कुछ कर पा रहे हैं। इन सभी कारणों से मण्डला का विकास अवरूद्ध हो गया है।

मण्डला जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग का कार्य लगभग 8 वर्षो से किया जा रहा है तथा इस मार्ग में शासन द्वारा सैकडो करोडें रूपये व्यय कर दिये जाने के बावजदू आज पर्यन्त तक यह राजमार्ग अपने स्वीकृत स्वरूप को प्राप्त नहीं कर सका। मार्ग की दुर्दशा पर अनेक बार ग्रामवासियों, संगठनों द्वारा आन्दोलन इत्यादि का सहारा लेकर समस्या के निराकरण के प्रयास किये गये किंतु व्यर्थ ही रहे तथा अधिकारी तथा राजनेताओं द्वारा कोरे आश्वासनों से जनता का पेट भरते रहे। मार्ग की दुर्दशा पर केन्द्रीय भूतल परिवहन मंत्री नितिन गडकरी द्वारा सार्वजनिक रूप से माफी मांगी गई तथा ठेकेदार का टेंडर निरस्त कर नया टेंडर स्वीकृत कर शीघ्र निर्माण का आश्वासन दिया गया परंतु आज तक सार्थक परिणाम नहीं आ सके। आये दिन इस मार्ग में जाम लगने से उत्पन्न हो रही समस्या के निराकरण के दृष्टिगत नवानुतक कले टर डॉ सिडाना पद ग्रहण करने के बाद इस मार्ग का व्यापक निरीक्षण कर अधिकारियों का सुधार हेतु आवश्यक निर्देश देकर 25 लाख का आवंटन दिलवाया गया परंतु राशि व्यय हो जाने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो सका।

यही हाल मण्डला नैनपुर रेलमार्ग का है केन्द्रीय सरकार द्वारा करोडों रूपये व्यय कर नैनपुर मण्डला रेलमार्ग का ब्राडग्रेजीकरण एवं विद्युतकरण कार्य किया गया एवं रेल स्टेशनों का निर्माण किया गया साथ ही जबलपुर नैनपुर, बालाघाट, गोंदिया मार्ग एवं छिदवाडा गोंदिया मार्ग विद्युतीकरण किया गया परंतु इन सभी रेल मार्गो पर वांछित रेलगाडियों का आवागमन प्रारंभ नहीं किया जा सका समाप्त जैसे प्राप्त होती है यह मार्ग मालगाडी संचालन तक ही सीमित रह गई है यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि जब भी कोई नया प्रोजे ट बनाया जाता है तो उसके रिर्टन आय आईआरआर की गणना की जाती है की प्रोजे ट में जितना व्यय किया जावेगा उसका भरपाई राजस्व से निकलानी होगी इन रेल मार्गो के प्रो लन होने के बाद इनसे वांछित सवारी रेलगाडी नहीं चलेगी तब तक राजस्व की वापिसी कैसे संभव हो सकेगी तथा गाडियों के संचालन नहीं होने के कारण रेलमार्गो के ब्राडग्रेजीकरण एवं विद्युतीकरण का उचित ही समाप्त हो रहा है जनता उसका लाभ प्राप्त नहीं कर पा रही है।

केन्द्र सरकार द्वारा देश के विभिन्न रेल्वे स्टेशनों में जिनमें नैनपुर तथा मण्डला रेल्वे स्टेशन स मिलित है में अमृत भारत रेल्वे स्टेशन प्रारंभ की गई विगत दिनों देश के प्रधानमंत्री उसको लॉज किया गया प्रमुख अखवारों में पर्याप्त विज्ञापन देकर वाहवाही लूटी गई परंतु इस विज्ञापन में नैनपुर एवं मण्डला रेल्वे स्टेशन के नाम ही गायब रहे इस प्रकार जनता के साथ छलावा कब बर्दाश्त तक होगा।

शासन द्वारा 6 जिलों की घोषणा एक साथ की गई थी जिसमें अन्य जिलों में कार्य प्रारंभ हो गए है लेकिन मण्डला में मेडिकल कॉलेज की घोषणा का पर्याप्त वाहवाही लूटी गई इस हेतु सहस्त्रधारा में स्थल चयन किया गया परंतु तथाकथित निहित स्वार्थ के कारण सहस्त्रधार के पास चयनित स्थल को डूब, भराव वादी कराने के इरादे को लेकर उसे निरस्त किया गया तथा ग्राम खैरी में डिग्री कालेज के सामने स्थल चयनित किया गया जिले की जनता को मेडिकल कॉलेज का कार्य का प्रारंभ न होने पर सत्ताधारी नेताओं द्वारा प्रस्तावित स्थल जिसमें वनभूमि होने तथा केन्द्र सरकार से गैर वानगी प्रयोजन के लिए स्वीकृत प्राप्त न होने के कारण विलंब होने बताया जा रहा है प्रश्न यह है कि प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज की स्वीकृति केन्द्र सरकार ने दी तथा वन भूमि के गैर वानगी प्रयोजन की स्वीकृति को केन्द्र सरकार को देनी है ऐसी स्थिति में जिले के सांसद व केन्द्रीय मंत्री यदि अपनी स्वंय की सरकार की स्वीकृति नहीं दिला पा रहे है तो इसका दोष किसके सिर पर डाला जाये जिले की जनता सारगर्भित प्रश्न कर रही है।

जिला चिकित्सालय में विशेषज्ञों 39 पद के विरूद्ध 26 पद रिक्त है चिकित्सा अधिकारियों के 23 पदों के विरूद्ध 18 पद रिक्त है इस हेतु पदों की पूर्ति स्थानीय अधिकारियों द्वारा पर्याप्त मांग पत्र भेजे जाने के बावजूद डो टरों की पदास्थिति नहीं हो पा रही है इस हेतु सांसद तथा विधायक अपने रसूख का प्रयोग करते हुए स्वास्थ्य मंत्री पर दबाव बनाकर डो टरों की पदास्थिति कराना चाहिए परंतु ऐसा नहीं हो पा रहा है। जिला चिकित्सालय में मात्र प्राथमिक उपचार कर मरीज रिफर करने वाला केन्द्र साबित हो रहा है। जिले में पासपोर्ट कार्यालय नहीं होने से जिलेवासियों को जबलपुर पर निर्भर रहना पडता है जिससे आवश्यक व्यय एवं समय नष्ट होता है।?

यहां यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि क्षेत्रीय सांसद केन्द्रीय राज्यमंत्री ने मण्डला निवास की जनसभा में आम जनता से पुरानी बातों को लेकर भूल जाने तथा चुनाव के समय बिती बात को मन में न रखने हेतु माफी मांगी अब यह आम मतदाओं पर निर्भर है कि मंत्री जी के विगत 26 वर्ष के कार्यालय में मण्डला का पर्याप्त विकास न होने पर उन्हें माफ करे अथवा चुनाव की पाठशाला में सबक सिखाये। कुल मिलाकर उपरोक्त समस्याओं का हल हेतु राजनैतिक इच्छाशक्ति का अभाव सामने आ रहा है तथा इन सब परिस्थिति को स्थानीय सांसद, केन्द्रीय मंत्री को स्वयं सोचना चाहिए जनता का मानना है कि उपरोक्त समस्याओं के निराकरण न होने से मण्डला का विकास संभव नही है तथा आने वालो विधानसभा लोकसभा चुनाव में सत्ताधारी दल को इसके परिणाम ग्रहण करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

सफलता की कहानी

सतना पूरे देश में दिव्यांगजनों को सर्वाधिक मोटराइज्ड ट्रायसिकिल देने वाला जिला बना

भोपाल । सतना के बीटीआई ग्राउण्ड में दिव्यांग सहायता के लिये बुधवार को विशाल शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में राज्य सरकार और कोल इण्डिया लिमिटेड के सीएसआर मद से जिले के 212 दिव्यांगजनों को निःशुल्क मोटराइज्ड ट्रायसिकिल वितरित की गई। शिविर में सतना सांसद गणेश सिंह मौजूद थे।

सांसद सिंह ने कहा कि जिले में एडिप योजना में दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्रायसिकिल वितरित करने का सिलसिला नहीं रुकेगा। उन्होंने कहा कि जिले के दिव्यांगजनों को स्व-रोजगार से जोड़ने और उन्हें समान अवसर उपलब्ध कराने के प्रयास राज्य सरकार की ओर से लगातार किये जाते रहेंगे। सांसद सिंह ने कहा कि दिव्यांगजनों को पात्रता अनुसार निःशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराया जायेगा। इनके आयुष्मान कार्ड बनाकर दिये जायेंगे। सतना जिले में पिछले 5 वर्षों में दिव्यांगजनों को 1517 मोटराइज्ड ट्रायसिकिल, 699 हस्त-चलित ट्रायसिकिल, 903 व्हील-चेयर, 1313 श्रवण यंत्र, 1751 कृत्रिम अंग केलीपर्स, 1004 बैसाखी, 463 दृष्टिबाधित स्मार्ट केन और स्मार्ट फोन वितरित किये गये हैं। शिविर के आयोजन में कृत्रिम अंग निर्माण निगम एलि को जबलपुर और नार्दन कोल फील्ड सिंगरौली की ओर से एक करोड़ रूपये की राशि की मदद भी दी गई। शिविर में सतना नगर निगम महापौर योगेश ताम्रकार, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल एवं स्थानीय जन-प्रतिनिधि मौजूद थे।

मु यमंत्री पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसं यक स्वरोजगार योजना अंतर्गत इच्छुक व्यक्ति करें आवेदन

सिवनी यशोः- सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसं यक कल्याण विभाग सिवनी द्वारा जानकारी दी गई कि शासन द्वारा पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसं यक वर्ग के युवक-युवतियों को स्वयं का रोजगार स्थापित करने हेतु पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसं यक कल्याण विभाग द्वारा संचालित स्वरोजगार योजना, में 10 हजार से 01 लाख तक के ऋण प्रकरण तैयार किये जाने है, इस योजना में योग्यता का बंधन नही है, उम्र 18 से 55 के बीच होना चाहिए एवं आयकर दाता न हो । हितग्राहियों को इकाई लागत का 03 प्रतिशत ब्याज अनुदान की सुविधा दी जायेगी एवं सीजीटी-एमएसई (क्रेडिट गारंटी ट्रस्ट फॉर माइक्रो एण्ड स्माल एंटरप्राइजेस) योजनान्तर्गत देय गांरटी सेवा शुल्क की राशि की प्रतिपूर्ति, 7 वर्षो तक राज्य शासन द्वारा की जायेगी। आवेदक द्वारा एम0पी0 आनलाईन के माध्यम से आवेदन पत्र ऑनलाईन किया जाना हैं। विस्तृत जानकारी हेतु कार्यालय सहायक संचालक, पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसं यक कल्याण विभाग सिवनी से संपर्क कर सकते है।

जिले में प्रगतिरत निर्माण कार्यों की कले टर ने की समीक्षा

सिवनी यशोः- कले टर श्री क्षितिज सिंघल द्वारा गुरूवार 17 अगस्त को निर्माण विभागों की पृथक-पृथक बैठक लेकर विभागातंर्गत प्रगतिरत निर्माण कार्यो की समीक्षा की गई। उन्होंने लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी विभाग, मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, मध्यप्रदेश विकास सड़क प्राधिकरण, सेतू निर्माण तथा सर्व शिक्षा अभियान, आदिवासी विकास एवं स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत प्रगतिरत सड़कों, चेक डेम, आंगनबाड़ी केन्द्रों, स्कूल, उपस्वास्थ्य केन्द्र, शासकीय कार्यालयों के भवनों की प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को निर्देशित किया कि, सभी विकास कार्य समय सीमा में पूर्ण किए जाएं, कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखें। कले टर श्री सिंघल ने सभी सड़क निर्माण विभागों को बारिश के मद्देनजर सड़कों के सोल्डर एवं गड्ढों की मर मत सुनिश्चित कराएं साथ ही सड़कों के किनारों में जल निकासी की व्यवस्था रखे, ताकि सड़कों में कटाव न हो। इसी तरह प्रगतिरत सड़क निर्माण कार्यों के दौरान डायवर्ट की गई सड़कें अच्छी हो, कार्य के दौरान स्थानीय नागरिकों को परिवहन में परेशानियों का सामना न करना पड़े यह सुनिश्चित करें। बैठक में संबंधित विभागों के जिलाधिकारियों एवं खण्डस्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति रही।

बाल अधिकार संरक्षण आयोग की बैंच 10 सित बर को

सिवनी यशोः- जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग सिवनी द्वारा जानकारी दी गई कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (NCPCR) नई दिल्ली भारत सरकार द्वारा सीपीसीआर अधिनियम 2007 के अधीन गठित एक संवैधानिक निकाय है। आयोग का मु य अधिदेश सभी बच्चों को संविधान के विभिन्न अधिनियमों/कानूनों के प्रावधानों के अंतर्गत निहित अधिकारों का लाभ लेने हेतु सक्षम बनाना है। आयोग द्वारा 10 सित बर 2023 को प्रातः 9ः00 बजे से जिला पंचायत सभा कक्ष जिला सिवनी में बाल अधिकारों के उल्लंघन संबंधी शिकायतों के निराकण हेतु आयोग की बेंच/कै प का आयोजन किया गया है। उक्त शिविर में 18 वर्ष से कम की आयु के बच्चों के संबंध में नि न प्रकार की शिकायते प्राप्त कर उनकी शिकायत का निराकरण किया जायेगा। जो नि नानुसार हैं- बाल श्रम संबंधी शिकायते, दिव्यांग बच्चों से संबंधी शिकायते, बाल भिक्षावृत्ति, बाल शोषण, बाल व्यापार, बाल मृत्यु, गुमशुदा बच्चें, बाल अपहरण, बाल हत्या, बाल आत्महत्या, बाल अधिकारों का हनन संबंधी शिकायतें, बाल देखरेख संस्थाएँ, छात्रावास संबंधी शिकायतें, बाल शिक्षा, शैक्षणिक संस्थानों से संबंधित शिकायतें, बाल यौन शोषण, बाल विवाह, आई.टी. ऐ ट 2000, साइबर से टी से संबंधित शिकायतें, बाल स्वास्थ्य देखरेख, बाल कल्याण एवं बाल विकास से संबंधित शिकायतें, बाल मनोविज्ञान से संबंधित शिकायतें, बच्चों के संबंध में असुरक्षित परिवार एवं अतिसंवेदनशील बच्चों से संबंधित शिकायतों का निराकरण किया जाएगा।

मु यमंत्री ने पूर्व मंत्री भोजवानी के निधन पर किया शोक व्यक्त

भोपाल। मु यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अविभाजित मध्यप्रदेश में मंत्री रहे वरिष्ठ नेता श्री लीलाराम भोजवानी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

मु यमंत्री चौहान ने कहा कि स्व. भोजवानी ने अपने दायित्वों का कुशलता पूर्वक निर्वहन किया। वे एक समर्पित जनप्रतिनिधि थे। उन्होंने सदैव आमजन के कल्याण की चिंता की। मु यमंत्री चौहान ने स्व. भोजवानी की आत्मा की शांति और उनके परिजन को यह दुख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना ईश्वर से की है।

इ्यूटी पास, प्रपत्र एवं ले स-बैनर आदि सामग्री हेतु ई-निविदा 31 अगस्त तक आमंत्रित

सिवनी यशोः- विधानसभा निर्वाचन 2023 एवं लोकसभा निर्वाचन 2024 को दृष्टिगत रखते हुए मतदान केन्द्रों को दी जाने वाली सामग्री के वितरण/प्राप्ति की चैकलिस्ट तथा मतगणना कार्य हेतु अधिकारी- कर्मचारियों के ड्यूटी पास एवं अ यार्थियों, अ यार्थियों द्वारा नियुक्त एजेंटों के परिचय कार्ड एवं समय-समय पर निर्वाचन कार्य में लगने वाले आवश्यक प्रपत्र के मुद्रण कार्य एवं ले स, बैनर एवं पोस्टर भण्डार नियमों का पालन करते हुए क्रय समिति द्वारा जांच उपरांत गुणवत्ता ब्रांड के आधार पर निविदा शर्तो के अधीन 16.08.2023 से 31.08.2023 अपरान्ह 4 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित की गई है। उक्त संबंध में विस्तृत जानकारी प्रपत्र एवं शर्तें वेबसाईट www.mptender.gov.in पर तथा कार्यालय कले टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी जिला सिवनी में देखी जा सकती है। प्राप्त निविदा 31.08.2023 को अपरान्ह 4 बजे खोली जाएंगी। इस हेतु प्रतिभूति की राशि 20,000/- ऑनलाईन संलग्न करना अनिवार्य है।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरूस्कार-2024 ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 31 अगस्त

भोपाल । प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार वर्ष 2024 के लिए 18 वर्ष तक के बालक-बालिका 31 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। इसमें चाइल्ड ब्रेवरी अवार्ड तथा चाइल्ड ऐ सीलेंस अवार्ड के लिए विभिन्न केटेगरी खेल, सोशल सर्विसेज, साइंस एंड टे नॉलॉजी, पर्यावरण, आर्ट एंड कल्चर, नवाचार आदि के लिए आवेदन कर सकते है।

योजना- इस पुरूस्कार के लिए बालक-बालिका को भारत का मूल निवासी होना आवश्यक है। पुरस्कार के लिए इन केटेगरी में विगत दो वर्षो की उपलब्धियाँ होनी चाहिए। पूर्व मं उक्त पुरूस्कार प्राप्त कर चुके बच्चें, इसके लिये आवेदन नहीं कर सकेंगे।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरूस्कार 2024 के लिये 25 आवेदकों को पुरूस्कार के लिए चुना जायेगा। पुरूस्कार स्वरूप उन्हें एक लाख रूपये नगद, पदक, प्रमाण-पत्र और प्रशस्ति-पत्र दिया जायेगा।

रबर मोहरें हेतु निविदा आमंत्रित

सिवनी यशोः-आगामी विधानसभा निर्वाचन- 2023 के लिए विधानसभा क्षेत्र क्रमांक/ मतदान केंद्रवार सुभेदक रबर की मोहरें (सील) तथा अन्य निर्वाचन संबंधी आवश्यक रबर की सील हेतु सीलबंद लिफाफे में 31.08.2023 दोपहर 3 बजे तक कले टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (निर्वाचन शाखा) कार्यालय सिवनी में निविदा आमंत्रित की गई है। प्राप्त निविदा 01 सित बर 2023 को अपरान्ह 4 बजे समिति के समक्ष खोली जाएगी। उक्त संबंध में अधिक जानकारी के लिए संबंधित कार्यालय से स पर्क किया जा सकता है।

जात पात पूछे नहीं कोई हरि को भजे सो हरि को होई-- साध्वी ज्ञानेश्वूरी दीदी

सिवनी यशोः- स्नेह यात्रा आज धोबीसर्रा से ग्राम दरासीखुर्द पहुंची जहां साध्वीं ज्ञानेश्वेरी दीदी द्वरा उपस्थितजनों को संकीर्तन कराया गया तथा आपस के भेदभाव तथा वैमन्य्उ ता को समाप्तग कर एकता स्था पित करना ही इस यात्रा का उददेश्यन है साथ साध्वी दीदी द्वरा उपस्थित ग्राम वासियों को रक्षासूत्र बांधा गया। इसके पश्चासत यात्रा विकासखंड के ग्राम दुल्हातपुर पहुंची जहां ग्राम सरपंच श्री आशीष मेंश्राम एवं गा्मीण जन द्वारा यात्रा स्वातगत किया गया जहां साध्वीी दीदी द्वारा जात पात पूछे नहीं कोई हरि को भजे सो हरि को होई दोहे से ग्रामीण जन को संबोधित किया तथा भेदभाव दूर कर एकता बनानें का संदेश दिया इसके पश्चांत यात्रा द्वारा ग्राम धपारा,अमुरला,बिरहोली,,जाम,इंदेरी,का भ्रमण करते हुए ग्राम आष्ठी पहुची जहां जनसंवाद का आयोजन किया गया जहां साध्वी दीदी द्वारा पूरे म.प्र में जातपात उंच नीच अमारी गरीब के भेदभाव को समाप्त कर समाज मे समरसता फैलाने के उददेश्यर से इस यात्रा का आयोजन म.प्र.सरकार द्वरा किया जा रहा है। इसके पश्चायत समस्तभ उपस्थित जनों कों प्रसाद वितरित किया गया इसके पश्चा।त यात्रा ग्राम अंखीवाडा,कल्याणपुर,नांदी,केकडई होते हुए ग्राम धारनाकला पहुची जहां ग्रामवा्सियों द्वारा साध्वील ज्ञानेश्वदरी दीदी के साथ संकीर्तन किया गया। तत्पगश्चाात यात्रा ग्राम पोनार एवं जेवनारा का भ्रमण करतें हुये बरघाट पहुंचेगी जहां जनसंवाद का आयोजन किया जाएगा। आज यात्रा में प्रमुख रूप से पतंजलि से श्री नरेश मिश्रा,मिश्रा, सरपंच श्री आशीष? मेंश्राम,हार्ट फुलनेस से श्री डीपी साहू जन अभियान परिषद से श्री सौरभ शु लाय जिला समन्वरयक,श्रीमति शोभना ठाकरे वि.ख.समन्य क,श्री अनिल नागले एवं समस्तस नवांकुर संस्थाकयें एवं मेंटर्स आदि उपस्थित रहो

केयर कंपेनियन प्रोग्राम में जिला चिकित्सालय सिवनी का रहा म.प्र. मे दूसरा स्थान

सिवनी यशोः- 77वें स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर, इंदिरा गांधी जिला चिकित्सालय में सिविल सर्जन और मु ये चिकित्साव एवं स्वारस्‌् म अधिकारी ने उन समर्पित नर्सों और कर्मचारियों के प्रति हृदय से सराहना व्यक्त की जिन्होंने सीसीपी (केयर कंपेनियन प्रोग्राम) को सफल बनाने के प्रयास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने नूरा हेल्थ की प्रशंसनीय पहल के लिए भी अपनी कृतज्ञता व्यक्त की और उसके मूल्यवान योगदान को स्वीकार किया। समारोह के दौरान, स्वास्थ्य टीम द्वारा प्रदर्शित अतिशय प्रयासों और सेवा कार्य के लिए कुल 30 प्रशस्ति पत्र दिए गए। ये प्रशस्ति पत्र मैट्रन, इंचार्ज, नर्सेज, मास्टर ट्रैनर और दो एएनएम को दिया गया , जिन्होंने सीसीपी प्रोग्राम की प्रभावकारिता और कुशलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यह कदम न केवल इन स्वास्थ्य कर्मियों की उल्लेखनीय उपलब्धियों को प्रदर्शित करता है, बल्कि हमारे स्वास्थ्य संस्थान को आगे बढ़ाने मे एक उल्लेखनीय कदम है ।

केयर कंपेनियन प्रोग्राम

मातृ और नवजात देखभाल - नवजात के लिए उसका पहला दिन उसके आने वाले दिनों के निर्धारण मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है । गर्भावस्था, प्रसव, पुनर्वास औरपालन-पोषण माता-पिता और परिवार के लिए गहरे और महत्वपूर्ण अनुभव होते हैं। ÷केयर कंपेनियन प्रोग्राम÷ व्यापक मातृ और नवजात प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में व्यवहार परिवर्तन शिक्षा का उपयोग किया जाता है ताकि नए माता-पिता और उनके प्रियजन इस सफर में माताओ का साथ दे सके । इंदिरा गांधी जिला चिकित्सालय सिवनी ने उ दा प्रदर्शन करते हुये अब तक ए एन सी, पीएनसी, पी ओ पी और एसएनसीयू वार्ड मे कुल 3647 सेसनों के माध्यम से 1,19978 माताओ/परिवार जनों को मातृ ङ्क शिशु देखभाल पर प्रशिक्षित कर चुके है और सत्र 2022 मे जिला चिकित्सालय सिवनी, मध्यप्रदेश मे दूसरे स्थान पर रहा । इस कार्य हेतु राज्य स्तर पर मिशन संचालक द्वारा लगातार पिछले दो वर्षो से जिला चिकित्सालय सिवनी को स मानित किया गया है ।

सी.सी.पी. सेशन के मु यक विषय:- गर्भावस्था की देखभाल, प्रसवान्तर देखभाल , बीमार नवजात की देखभाल महत्वपूर्ण विषयों में त्वचा से त्वचा संपर्क की महत्वपूर्णता (कंगारू मदर केयर), माताओं के लिए स्वस्थयपूर्ण आहार, स्तनपान तकनीकें, पीलिया , नाल की देखभाल और मां और बच्चे की बीमारी के चेतावनी संकेतों की पहचान शामिल है। यह प्रोग्राम जिला चिकित्सालय के अलावा सिविल अस्पताल लखनादौन औरअर्बन क्षेत्र की आंगनबाड़ी मे एएनएम द्वारा किया जा रहा है । मातृ ङ्क शिशु देखभाल संबंधित जानकारी हेतु नूरा हेल्थ द्वारा टोल फ्री सेवाये (08047093146, 08047093147) उपलब्ध कराई गई है जिस पर कॉल करके व मैसेज के माध्यम से माता और परिवार जन घर बैठे जानकारी ले सकते है ।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने मेंसिविल सर्जन डॉ. विनोद नावकर और मु यस चिकित्सा8 एवं स्वास्थ अधिकारी डॉ. जयपाल सिंह ठाकुर से समय-समय पर मार्गदर्शन मिलता रहा है।

विधायक दिनेश राय मुनमुन ने जिला जेल मे ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली

राय के करकमलों से निरुद्ध को सौंपा गया रिहाई प्रमाण पत्र

बंदियो की मांग पर स्वयं की ओर से प्रोजे टर सौंपकर मिनी साऊण्ड सिस्टम की स्वीकृति किया प्रदान

सिवनी यशोः- 15अगस्त को प्रातः 07:30 बजे सिवनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिनेश राय मुनमुन ने जिला जेल परिसर सिवनी मे ध्वजारोहण कर परेड की सलामी लिया। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर विधायक दिनेश राय मुनमुन द्वारा ग्राम नगझर स्थित जिला जेल परिसर सिवनी मे ध्वजारोहण किया। तथा परेड की सलामी लिया। इसके पश्चात जेल के मानस भवन मे स्वतंत्रता दिवस के अंतर्गत आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम मे शिर्कत कर विधायक दिनेश राय मुनमुन ने ज्ञान की देवी मां सरस्वती जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण, द्वीप प्रज्वलित व नमन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तदुपरांत जेल अधिकारियों कर्मचारियों एवं बंदी भाईयों द्वारा विधायक श्री दिनेश राय मुनमुन जी का शाल, श्रीफल भेंटकर फूल मालाओं से आत्मीय स्वागतोपरांत अतिथि स्वागत गीत सहित देशभक्ति गीतों की शानदार प्रस्तुतियां दी गई।

इस दौरान संबोधन बेला में विधायक दिनेश राय मुनमुन कहा कि वर्ष 1947 मे हमारे देश को अंग्रेजी साम्राज्य से आजादी मिली थी। और आज हम अपने देश भारत की आजादी का 77 वां स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं। देश की आजादी के लिए अनेकों क्रांतिकारियों ने अपना बलिदान दिया। आज साहस और शौर्य के प्रतीक स्वतंत्रता दिवस पर सभी बलिदानियों, क्रांतिकारियों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। विधायक दिनेश राय मुनमुन ने आगे कहा कि हम सभी ने आजाद भारत मे जन्म लिया है। हो सकता है कुछ लोग दुर्भावनावश तो कुछ लोग क्रोध या अन्य कारणों से, निश्चित ही कोई न कोई गलती अवश्य ही हुई होगी। जिस वजह से आज आप जेल मे निरुद्ध है। सभी भाईयों को आत्म मंथन कर अपनी गलतियों को सुधारने और कभी न दोहराने का प्रयास करना चाहिए। उ मीद है आप यहां से अच्छे बनकर बाहर निकलेंगे। और कड़ी मेहनत से बेहतर रोजगार के साथ समाज के बीच रहकर अच्छा जीवन व्यतीत करेंगे। इसके साथ ही श्री राय ने बंदी भाईयों की मांग पर स्वयं की ओर से प्रोजे टर सौंपकर मिनी साउण्ड सिस्टम प्रदान करने की स्वीकृति दिया।

इस दौरान आजादी के अमृत महोत्सव अंतर्गत जेल प्रशासन द्वारा विधायक श्री दिनेश राय मुनमुन जी के करकमलों से जेल मे निरुद्ध कुरई निवासी 60 वर्षीय श्री सुभान बाबा पिता उदय सिंह जाति गोंड को रिहाई का प्रमाण पत्र सौंपा गया। इस अवसर पर हुकुम सिंह आर्मो जी जेल अधीक्षक, अजय वर्मा उपअधीक्षक, डा. शुभम शिवहरे जी, कैलाश निवारे निरीक्षक, संदीप उईक, संकेत विक्की शिवहरे विधायक प्रतिनिधि, मनीष मोनू मिश्रा विधायक प्रतिनिधि, अहफाज खान विधायक प्रतिनिधि, मनोज मन्नु गोयल, अंकुर अग्रवाल, हेमंत नट्टू ठाकुर , राहुल राय , संदीप ठाकुर पत्राकार, पवन राहंगडाले, मोह मद जिब्राईल मंसूरी मीडिया प्रभारी सहित अनेक गणमान्य जन एवं जिला जेल विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों की गरिमामय उपस्थिति रही।

पीएम-एफएमई योजना अंतर्गत खाद्य प्रसंस्करण इकाई स्थापना की दी गई जानकारी

सिवनी यशोः- कले टर श्री क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार पीएम-एफएमई योजना के अंतर्गत उद्यानिकी विभाग के वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी कार्यालय विकासखंड सिवनी में आजीविका मिशन के स्व सहायता समूहों को खाद्य प्रसंस्करण इकाई स्थापना हेतु योजना की जानकारी दी गई, कै प में 20 समूहों से लगभग 30 महिलाएं उपस्थित रही। इस कै प में वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी श्री पंद्रे , ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी श्री बोरन बघेल, वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी श्री संतोष बघेल द्वारा पीएम एफएमई योजना की जानकारी दी गई एवं जिला रिसोर्स पर्सन द्वारा इच्छुक समूहों के आवेदन किये गए। हऋरू सिवनी से श्री प्रमोद द्विवेदी सहायक विकासखंड प्रबंधक उपस्थित रहे।

पांचवी पुण्य तिथि पर अटल जी को श्रद्धासुमन अर्पित किये

सिवनी यशोः- भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में देश के पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की चौथी पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित किये गये । भाजपा जिला अध्यक्ष आलोक दुबे की उपस्थित में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में पूर्व सांसद श्रीमती नीता पटेरिया, वरिष्ठ नेता और जिला चुनाव प्रबंधन के संयोजक वेद सिंह ठाकुर, पूर्व नपा अध्यक्ष राजेश त्रिवेदी, पंडित ओम प्रकाश तिवारी जिला उपाध्यक्ष आनंद शर्मा, जिला मंत्री संजीव मिश्रा,दिलीप अग्रवाल, नरेन्द्र ठाकुर, प्रवीण भारद्वाज, मिथलेश वर्मा सहित अनेक वरिष्ठ नेतागण और भाजपा कार्यकर्त्ता उपस्थित थे ।

इस अवसर पर पंडित अटल बिहारी वाजपेयी के व्यक्तित्व एवं कृत्व पर भी वक्ताओं ने प्रकाश डाला ।

दैनिक यशोन्नति की और खबरों तथा वीडिओ के लिये एप डाउनलोड करें -https://dainikyashonnati. com

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक मुद्रक राजेश अग्रवाल द्वारा,नवीन प्रिंटर्स बींझावाड़ा रोड अकबर वार्ड सिवनी से मुद्रित एवं काली चौक टैगौर वार्ड सिवनी से प्रकाशित संपादक-मनोज मर्दन त्रिवेदी ईमेल-yasonati@gmail.com न्यायालीन क्षेत्र अधिकार सिवनी , 9425843297